हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 70, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 सितम्बर, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

भारत मंडपम में लगेगी नटराज की मूर्ति

पीएम ने मंत्रियों को दी 'जी-20 इंडिया' एप डाउनलोड करने की सलाह

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली में नौ और 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन होने वाला है। इसके लिए अधिकारी, मंत्री सभी बढ़-चढ़कर तैयारी कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन से पहले विदेश मंत्रालय ने 'जी20 इंडिया' नामक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सभी मंत्रियों को यह एप डाउनलोड करने की सलाह दी। दूसरी तरफ, आयोजन स्थल पर अष्टधातु से बनी नटराज की मूर्ति भी लगाई जाएगी। जी20 इंडिया एप के जरिए मंत्रियों को विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने में मदद मिलेगी। दरअसल, पीएम मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में महत्वपूर्ण जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले मंत्रिपरिषद की बैठक के साथ बातचीत की और इसी दौरान उन्होंने सभी मंत्रियों को एप डाउनलोड करने की सलाह दी।

'जी-20 इंडिया' एप के जरिए उपयोगकर्ता को जी-20 से संबंधित सभी जानकारियां हासिल होगी। इसमें शिखर सम्मेलन से संबंधित एक कैलेंडर, मीडिया और जी-20 के बारे में पूरी जानकारी होगी। बता दें कि यह एप भारत की जी-20 अध्यक्षता तक काम करेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार तक वैश्विक स्तर पर 15000 से अधिक लोग एप डाउनलोड कर चुके हैं। यह एप सभी जी-20 देशों की भाषाओं में विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने में मदद करेगा। मोबाइल में नेविगेशन की सुविधा है, जो विदेशी प्रतिनिधियों को एक स्थान से दूसरे स्थान और भारत मंडपम तक जाने में मदद करेगी। वहीं, जी-20 इंडिया एप के जरिए भारतीय मंत्री विदेशी प्रतिनिधियों के साथ भाषा के साथ-साथ संचार बाधाओं को भी दूर किया जा सकता है। जी-20 इंडिया मोबाइल एप में ऐसी सेवाएं उपलब्ध हैं, जिसे लोग 24 भाषाओं में एक्सेस कर सकते हैं। शिखर सम्मेलन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अत्याधुनिक भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में होने वाला है। गौरतलब है कि भारत ने पिछले साल 1 दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता संभाली थी और देश भर के 60 शहरों में जी-20 से संबंधित लगभग 200 बैठकें आयोजित की गईं थीं।

भारत के मंडपम में 27 फीट की नटराज की मूर्ती लगाई गई है। इसपर प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को कहा कि आयोजन स्थल पर नटराज की मूर्ति भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रतीक के रूप में मौजूद होगी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कहा था कि 27 फीट की यह प्रतिमा अष्टधातु से बनी सबसे ऊंची मूर्ति है। 19 टन वजनी मूर्ति को तमिलनाडु के स्वामी मलाई के प्रसिद्ध मूर्तिकार राधाकृष्णन स्टापथी और उनकी टीम ने सात महीने में तैयार किया है। उसने आगे कहा कि राधाकृष्णन की 34 पीढ़ियां चोल साम्राज्य काल से ही मूर्तियां बना रही हैं। ब्रह्मांडीय ऊर्जा, रचनात्मकता और शक्ति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक नटराज की यह मूर्ति जी20 शिखर सम्मेलन में एक आकर्षण बनने जा रही है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत मंडपम में भव्य नटराज प्रतिमा हमारे समृद्ध इतिहास और संस्कृति के पहलुओं को जीवंत करती है। जैसे ही दुनिया जी20 शिखर सम्मेलन के लिए इकट्ठा होगी, यह भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण के रूप में खड़ी होगी।

'इससे मन को बहुत संतुष्टि मिलती है...' इंडिया बनाम भारत विवाद पर जयशंकर ने दी विपक्ष को संविधान पढ़ने की सलाह

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया' के स्थान पर 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' लिखे जाने पर सबसे पहले कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज कराई तो अन्य विपक्षी दल भी यह कहते हुए हमलावर हो गए कि भाजपा विपक्षी गठबंधन के नाम आइएनडीआइए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) से डर गई है। बल्कि यह भी कहा कि सरकार देश का नाम बदलने जा रही है। मंगलवार सुबह कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश ने उस कार्ड की प्रति सार्वजनिक करते हुए सबसे पहली आपत्ति जताई। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'ये खबर वाकई सच है। राष्ट्रपति भवन ने नौ सितंबर को जी-20 रात्रिभोज के लिए जो निमंत्रण पत्र भेजा है, उसमें प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया की जगह प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। संविधान के अनुच्छेद-एक के मुताबिक, भारत जिसे इंडिया कहते हैं, वह राज्यों का एक संघ होगा, लेकिन अब इस राज्यों के संघ पर भी हमला हो रहा है।' इसके बाद इस विषय को लेकर बहस छिड़ गई। इस मुद्दे पर अब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने संविधान में इंडिया दैट इज भारत का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि 'भारत' शब्द का अर्थ संविधान में भी परिलक्षित होता है। एस जयशंकर ने आगे कहा," इंडिया दैट इज भारत, यह संविधान में है। कृपया, मैं सभी को इसे पढ़ने के लिए आग्रह करता हूं।" जयशंकर ने आगे कहा,"यह पहले ही हो जाना चाहिए था। इससे मन को बहुत संतुष्टि मिलती है। 'भारत' हमारा परिचय है। हमें इस पर गर्व है। राष्ट्रपति ने 'भारत' को प्राथमिकता दी है। यह औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर आने वाला सबसे बड़ा बयान है। बता दें कि इंडिया का नाम बदल कर भारत किए जाने वाले मुद्दे पर भाजपा के कई नेताओं ने मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'एक्स' पर राष्ट्रपति की ओर से रात्रिभोज के निमंत्रण की एक तस्वीर पोस्ट की और राष्ट्रगान की कुछ पंक्तियां लिखीं। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ये भी दावा किया कि हर राज्य के लोग चाहते हैं कि देश को भारत के नाम से जाना जाए जब तक सूर्य और चंद्रमा रहेंगे, हमारा देश भारत के नाम से जाना जाएगा। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी दल हिंदू धर्म और भारत नाम को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने दावा किया, "भारत उतना ही पुराना है जितना सूर्य और चंद्रमा। जब तक सूर्य और चंद्रमा अस्तित्व में हैं, तब तक भारत अस्तित्व में रहेगा। हर राज्य और वहां के लोग चाहते हैं कि देश को भारत के नाम से जाना जाए।

10 करोड़ नहीं ज्यादा दूंगा... उदयनिधि के सिर पर इनाम के बाद अब प्रयागराज के तीर्थपुरोहितों ने किया बड़ा एलान

प्रयागराज। सनातन धर्म पर अनर्गल बयानबाजी करने वाले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य व तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि से तीर्थपुरोहित नाराज हैं। उन्होंने मंगलवार को संगम क्षेत्र में प्रयागवाल तख्त चौराहा पर तीर्थपुरोहित गंगा महासभा के बैनर तले दोनों नेताओं का पुतला फूंका। साथ ही दोनों नेताओं व उनके परिवार के किसी भी सदस्य का संगम क्षेत्र में तर्पण-पूजन नहीं कराने का निर्णय लिया। महासभा के अध्यक्ष गिरजेश भरद्वाज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविंद मिश्र व महामंत्री कमल शर्मा ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सनातन धर्म पर कीचड़ उछाला जा रहा, जो अक्षम्य कृत्य है। इससे सनातन धर्म का वैभव कम नहीं होगा। बोले कि जिस सनातन धर्म को अपमानित किया जा रहा है, अब दोनों नेताओं तथा उनके स्वजनों का पूजन नहीं कराया जाएगा, न ही मृत्यु के बाद किसी का तर्पण कराएंगे। सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगने पर ही पूजन व तर्पण कराया जाएगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरज शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म का अपमान, राष्ट्र की शान इसरो के वैज्ञानिकों का मजाक बनाना अत्यंत पीड़ादायक है। इसके पीछे देश विरोधी तत्व काम कर रहे हैं। इसका हर स्तर पर मुखर विरोध होना चाहिए। तीर्थपुरोहित समाज सनातन धर्म का अपमान स्वीकार नहीं करेगा। प्रदर्शन में ललित शर्मा, राजेश पाठक, पप्पन जी टंडन, पवन शर्मा, विजय महल, विशाल महल, टिन्ना पांडे, निखिल तिवारी, गुड्डु पाठक, बन्नु, रोहित शर्मा ,कल्लु टैय्या, राहुल आदि शामिल रहे।

धोखे से धर्मांतरण पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को धोखे से धर्मांतरण कराए जाने पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। दरअसल, याचिका में मांग की गई थी कि केंद्र सरकार को आदेश दिया जाए कि वह इसके लिए आवश्यक कदम उठाए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि अदालत को इस मामले में क्यों प्रवेश करना चाहिए?

अदालत सरकार को परमादेश की रिट कैसे जारी कर सकती है। बता दें, जनहित याचिका कर्नाटक के जेरोम एंटो ने दायर की थी। जेरोम एंटो की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि हिंदुओं और नाबालिगों को निशाना बनाया जा रहा है और उनका धोखे से धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। पीठ ने कहा कि यह किस तरह की जनहित याचिका है? जनहित याचिका एक टूल यानी हथकंडा बनकर रह गई है और हर कोई इस तरह की याचिकाएं लेकर आ रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने पूछा कि इस तरह की शिकायत लेकर कहां जाना चाहिए।

इस पर पीठ ने कहा कि हम सलाहकार क्षेत्राधिकार में नहीं हैं। अगर हाल ही में कोई ऐसा मामला आया है या किसी पर किसी पर मुकदमा चलाया गया है तो हम उस पर विचार कर सकते हैं। इसके बाद शीर्ष अदालत की पीठ ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से दायर उस जनहित याचिका पर सुनवाई नवंबर तक के लिए टाल दी, जिसमें मतदाताओं द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के जरिये डाले गए वोटों का सत्यापन वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) से कराने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने याचिका पर सुनवाई यह कहते हुए स्थगित कर दी कि मामले में कोई शीघ्रता नहीं है।

संसद के विशेष सत्र को लेकर सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी, नौ एजेंडों पर चर्चा की रखी मांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की तरफ से संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने के बाद से ही इसे लेकर कई तरह की अटकलें लग रही हैं। एक देश-एक चुनाव से लेकर इंडिया का नाम बदलकर भारत किए जाने तक विशेष सत्र में एजेंडे को लेकर चचाओं का बाजार गर्म है। इस बीच कांग्रेस की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है और उनसे संसद के विशेष सत्र के एजेंडे पर जानकारी मांगी है। सोनिया गांधी ने चिट्ठी में कहा है कि संसद का विशेष सत्र विपक्ष से बिना किसी पूर्व चर्चा के बुलाया गया है। उन्होंने सत्र के एजेंडे की जानकारी भी मांगी है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने पीएम मोदी से नौ सूत्रीय एजेंडे पर चर्चा कराने का भी आग्रह किया है। उन्होंने चिट्ठी में मांग रखी कि 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र के दौरान देश की आर्थिक स्थिति, जातीय जनगणना, चीन के साथ सीमा पर गतिरोध और अदाणी समूह से जुड़े नए खुलासों की पृष्ठभूमि में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग समेत नौ मुद्दों पर उचित नियमों के तहत चर्चा कराई जाए। सोनिया गांधी ने पत्र में कहा,

"रचनात्मक सहयोग की भावना के तहत मैं आशा करती हूं कि संसद के आगामी सत्र में इन विषयों पर चर्चा कराई जाएगी।" उनकी इस चिट्ठी पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि किसी को भी इस विशेष सत्र को लेकर जानकारी नहीं थी। पहली बार ऐसा हो रहा है, जब विशेष सत्र को लेकर हमारे पास एजेंडे की कोई जानकारी ही नहीं है।

सनातन धर्म को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर अड़े उदयनिधि स्टालिन, राष्ट्रपति-महाभारत का किया जिक्र

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन अपने सनातन धर्म के बयान के बाद से ही लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनके बयान पर देश भर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। इस बीच एक बार फिर उदयनिधि ने अपने बयान का बचाव किया है। साथ ही उन्होंने अपनी बात के पक्ष में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर महाभारत तक का जिक्र किया। उदयनिधि ने यह दावा किया है कि नए संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ भेदभाव के कारण ही उन्हें नहीं बुलाया गया। मीडिया के जब उनसे सामाजिक भेदभाव का एक मौजूदा उदाहरण देने के लिए कहा, तो उन्होंने जवाब में कहा, "राष्ट्रपति मुर्मू को नई संसद के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं किया जाना वर्तमान सनातन भेदभाव का एक उदाहरण है। इससे पहले स्टालिन ने महाभारत के एक उदाहरण के साथ भेदभाव पर टिप्पणी की थी। उन्होंने शिक्षक दिवस पर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शिक्षक अतुलनीय हैं, वे केवल आने वाले पीढ़ी के बारे में सोचते हैं। हमारे द्रविड़ आंदोलन और उन शिक्षकों के बीच का बंधन जो अंगूठे मांगे बिना सद्गुणों का प्रचार करते हैं, हमेशा के लिए जारी रहेगा। गौरतलब है कि पेरियार के तर्कवादी सिद्धांतों पर आधारित द्रमुक ने बीते कई दशकों से सनातन धर्म का विरोध जारी रखा है। उदयनिधि स्टालिन ने अपने बयान से यह साबित कर दिया कि वह किसी भी कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। इससे पहले उदयनिधि स्टालिन पर शनिवार को तमिलनाडु में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को जड़ से उखाड़ फेंकने का बयान देने का आरोप लगा था। उदयनिधि ने सनातन की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी। उन्होंने अपने इन बयानों को लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए तैयार रहने की बात तक कह दी थी।

गणेश चतुर्थी से नए भवन में होगी संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र की कार्यवाही 18 सितंबर को पुराने भवन में ही शुरू होगी। हालांकि, गणेश चतुर्थी के मौके पर 19 सितंबर को नए संसद भवन में संसद की पहली कार्यवाही होगी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया है। बता दें कि इसी साल 28 मई को पीएम नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया था और इसे देशवासियों को समर्पित किया था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों ने पांच अगस्त 2019 को सरकार से संसद के नए भवन के निर्माण के लिए आग्रह किया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के नए भवन का शिलान्यास किया था। संसद के नवनिर्मित भवन को गुणवत्ता के साथ रिकॉर्ड समय में तैयार किया गया है। संसद का वर्तमान भवन 1927 में बनकर तैयार हुआ था,, जो अब लगभग 100 साल पुराना होने जा रहा है। इस भवन में वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप स्थान का अभाव था। दोनों सदनों में सांसदों के बैठने की सुविधाजनक व्यवस्था भी कम पड़ रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए लोकसभा और राज्यसभा दोनों ने प्रस्ताव पारित कर सरकार से संसद के लिए एक नई इमारत बनाने का आग्रह किया था। संसद का नवनिर्मित भवन भारत की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों को और समृद्ध करने का काम करेगा। यह अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जो सदस्यों को अपने कार्यों को बेहतर ढंग से करने में मदद करेगा। नए संसद भवन से 888 सदस्य लोकसभा में बैठ सकेंगे। संसद के वर्तमान भवन में लोकसभा में 543 जबकि राज्यसभा में 250 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था है। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संसद के नवनिर्मित भवन में लोकसभा में 888 सदस्यों और राज्यसभा में 384 सदस्यों की बैठक की व्यवस्था की गई है।

पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या को बड़ी राहत, बंद होगी जांच!, आलोक भी अब लेंगे चैन की सांस

प्रयागराज। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की जांच बंद हो सकती है। पति आलोक मौर्य भ्रष्टाचार के संबंध में लगाए गए आरोपों के समर्थन में कोई पुख्ता सबूत नहीं दे पाए। इसके साथ ही अपनी शिकायत वापस लेने के मामले में कमेटी ने यह निर्णय लिया है। इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। उधर, ज्योति मौर्य द्वारा भी धूमनगंज थाने में पति आलोक मौर्य और ससुराल पक्ष के लोगों दर्ज उत्पीड़न के केस वापस लेने की चर्चा है। सूत्रों की माने तो ज्योति मौर्य और आलोक के बीच समझौता हो सकता है। आलोक मौर्य के द्वारा ज्योति मौर्य के खिलाफ शासन से की गई भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच के लिए शासन ने कमिश्नर प्रयागराज विजय विश्वास पंत को जांच करने का आदेश जारी किया था। कमिश्नर ने अपर आयुक्त प्रशासन अमृतलाल बिन्द के नेतृत्व में तीन सदस्य जांच कमेटी गठित की थी। कमेटी ने आलोक मौर्य से भ्रष्टाचार के संबंध में की गई शिकायत के समर्थन में सबूत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके लिए आलोक ने कमेटी से 20 दिन की मोहलत मांगी थी। 20 दिन की

मोहलत पूरी होने के बाद कमेटी के समक्ष उपस्थित होकर आलोक मौर्य ने अपने आरोपों को वापस ले लिया था। जिसके बाद जांच कमेटी ने मामले की जांच को बंद करने की संस्कृति कमिश्नर से की है। इस मामले में कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने बताया कि जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पेश की है उसे शासन को भेजा जा रहा है। विजय विश्वास पंत ने कहा कि अभी जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। यदि आलोक ने शिकायत वापस ले ली है तो जांच समिति की रिपोर्ट को देखा जाएगा। उस पर कानूनी राय भी ली जाएगी। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। आलोक मौर्य और ज्योति मौर्य की शादी 2010 में हुई थी। 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हुआ था। इसके बाद उन्होंने ज्योति की पढ़ाई करवाई। साल 2015 में ज्योति का चयन एसडीएम पद पर हो गया। लोक सेवा आयोग से महिलाओं में ज्योति की तीसरी रैंक और ऑल ओवर 16वीं रैंक थी। सभी बहुत खुश थे। 2015 में जुड़वां बच्चियां हुईं। पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के पति आलोक ने शासन को शिकायती पत्र भेजकर ज्योति पर हर माह पांच से छह लाख रुपये वसूली का आरोप लगाया था। आलोक ने अपनी शिकायत के समर्थन में डायरी के पन्नों की छाया प्रति भी लगाई थी, जिसमें लेन-देन का पूरा हिसाब लिखा जाता था। शिकायत मिलने के बाद शासन ने कमिश्नर विजय विश्वास पंत को जांच सौंपी थी। कमिश्नर ने जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बनाई है। जिसमें अपर आयुक्त प्रशासन अमृतलाल और दो अन्य सदस्य शामिल हैं।

भारत बनाम इंडिया पर विवादः मायावती बोलीं, देश के नाम पर बने संगठनों पर रोक लगाए सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि अब भारत बनाम इंडिया के मामले पर पक्ष और विपक्ष दोनों ही घिनौनी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश का नाम बदलने की स्थिति से पहले करना यह चाहिए था कि जब विपक्ष ने अपने संगठन का नाम इंडिया रखा था तभी उसे पर रोक लगनी चाहिए थी। इसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था या फिर कानून लाकर इस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए था। अब दोनों ही इस पर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के नाम पर इस तरह की राजनीति बिल्कुल ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट को इसका संज्ञान लेना चाहिए और इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। कोई भी गठबंधन देश के नाम पर अपना नाम न रखें। इससे देश की छवि प्रभावित होती है।उन्होंने कहा कि संविधान से छेड़छाड़ ठीक नहीं। यह जो भी कुछ हो रहा है वह सत्ता और विपक्ष जानबूझकर कर रहे हैं। बता दें कि केंद्र सरकार ने देश के नाम इंडिया की जगह भारत को प्रचलन में लाने की शुरूआत कर दी है। इसे लोकसभा चुनाव 2024 के लिए विपक्षी गठबंधन के नाम इंडिया से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि मोदी

सरकार विपक्षी गठबंधन से इतना डर गई है कि अब देश का ही नाम बदल देना चाहती है। जबकि संविधान के पहले ही अनुच्छेद में लिखा है कि इंडिया दैट इज भारत...। कयास लगाए जा रहे थे कि मायावती विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल हो सकती हैं पर उन्होंने अभी तक इससे खुद को दूर रखा है और सभी विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव 2024 अकेले लड़ने का एलान किया है।

संपादकीय

अधिकारों की सीमा और खींचतान

पश्चिम बंगाल में राज्य के सात विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति के फैसले के बाद एक बार फिर राज्यपाल और सरकार के बीच विवाद की स्थितियां दिखने लगी हैं। हालांकि वहां यह स्थिति नई नहीं है। कुलपतियों की नियुक्ति सहित कई अन्य मुद्दों पर एक तरह से सरकार और राज्यपाल के रूप में दो पक्ष बन गए हैं और दोनों के बीच प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खींचतान चलती रहती है। विडंबना यह है कि नियमों के मुताबिक अंतिम रूप से किसी एक व्यवस्था को अमल में आना ही है, लेकिन इस टकराव का खमियाजा किसी न किसी रूप में आखिर आम जनता को उठाना पड़ रहा है। यों वहां कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर अधिकार से जुड़ा विवाद पिछले कई महीने से चल रहा है, लेकिन रविवार को राज्यपाल ने जब सात विश्वविद्यालयों के लिए अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति को हरी झंडी दी, उसके बाद राज्य सरकार की ओर से तीखी प्रतिक्रिया उभरी। वहां के शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल पर ह्यतानाशाहीपूर्णह्ल तरीके से काम करने का दावा करते हुए यह भी आरोप लगाया कि इस कदम से विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली ह्यनष्टह्ल हो सकती है। दरअसल, कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल और राज्य सरकार की विश्वविद्यालयों में भूमिका से संबंधित एक विधेयक विधानसभा में पारित हो चुका है। शिक्षा मंत्री की ओर से इसी बुनियाद पर राज्यपाल के कदम को नियमों का उल्लंघन बताया जा रहा है। दूसरी ओर, ताजा मामले पर राज्यपाल के पक्ष में यह तर्क दिया जा रहा है कि कुलपतियों की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालयों में अनिश्चितता का माहौल बन सकता है, इसलिए यह कदम सही है। हालांकि इस मसले पर पूर्व कुलपतियों सहित शिक्षाविदों के एक समूह ने भी राज्यपाल द्वारा कई अंतरिम कुलपतियों की नियुक्ति पर सवाल उठाया है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि वह इस मुद्दे पर राज्यपाल के साथ चर्चा करके मामले का हल निकालना चाहती है। लेकिन अगर सब कुछ इतना ही सहज है, तब वे कौन-से बिंदु हैं, जिसकी वजह से टकराव हो रहा है? करीब तीन महीने पहले भी कुलपतियों की नियुक्ति के मसले पर राज्य सरकार और राज्यपाल एक दूसरे के आमने-सामने आ गए थे। सवाल है कि अगर कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में नियमों की कसौटी पर स्थितियां बिल्कुल स्पष्ट हैं, तब क्या राज्यपाल उसकी अनदेखी करके इस मामले में फैसले ले रहे हैं! अगर ऐसा नहीं है तो क्या सरकार की आपत्ति नाहक ही किसी विवाद को तूल देने की कोशिश है? पश्चिम बंगाल में राज्य सचिवालय और राज्यपाल के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर टकराव लंबे समय से जारी है। मौजूदा खींचतान से पहले वहां के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ के दौर में विवाद काफी गहरा हो गया था। खासतौर पर विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति के मसले पर यह तनाव इस कदर बढ़ा कि राज्य सरकार ने विधानसभा में एक विधेयक पारित कर राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को अधिकार सौंपने का फैसला किया था। उसके बाद भी इस मामले में दोनों पक्षों में लगातार जद्दोजहद कायम है। लेकिन इस बीच यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अधिकारों की सीमा और खींचतान के बीच राज्य में उच्च शिक्षा की तस्वीर बुरी तरह प्रभावित हो रही है। विचार इस पहलू पर किया जाना चाहिए कि राज्य के विश्वविद्यालयों में कितने पूर्णकालिक कुलपति हैं। इसकी वजह से प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर कैसे गतिरोध खड़े हो रहे हैं और कालेजों में सामान्य कामकाज और पठन-पाठन पर इसका क्या असर पड़ रहा है। मगर समस्या का कोई ठोस हल निकालने की कोशिश करने के बजाय राज्य सरकार और राज्यपाल आमने-सामने दिख रहे हैं। सवाल है कि इस टकराव का हासिल क्या है!

खबर है ऐसी आई!

शुरू हुई फिर तनातनी ।
खबर है ऐसी आई ।।
हुआ कुछ यदि गड़बड़ ।
आगे ना भरपाई ।।
अंदरूनी कहासुनी का ।
है लगता फिर दौर ।।
असमंजस में शायद ।
दिख रहे सिरमौर ।।
है करना भुगतान ।
पुनः समय है आन ।।
हुई कलह से बाधा ।
छुड़ा सकते जान ।।
है कुछ सुगबुगाहट ।
आ गई दरार ।।
किंकर्तव्यविमूढ़ हुए ।
हो सकते फरार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

पूंजीवाद को प्रश्रय देता उपभोक्तावाद

पिछले कुछ सालों में कितना कुछ बदल गया है। अखबार के इश्तिहार से लेकर इंसान के व्यवहार तक,चुनाव के प्रचार से भगवान के दरबार तक। सब कुछ एकदम रंगीन, इतना रंगीन कि मनुष्य इसके रंगत से वंचित न रहे। ताज्जुब कि ये सारे बदलाव मानव जीवन के उन्नत कि बुनियाद पर स्वीकार की गई है। जिसने एक नई जीवन शैली 'उपभोक्तावाद' को जन्म दिया है।

'उपभोक्ता' होना कही से अनुचित नहीं है लेकिन जैसे ही इसमें 'वाद' जुड़ता है। यह 'उपभोक्तावाद' नामक तंत्र लोभ,भय और नफरत के द्वारा संचालित होने लगता है। उपभोक्तावाद की प्रवृत्ति मदारी की होती है। जहाँ कुछ पूंजीपति, बड़े समूह को अपने अनुसार नचाते हैं। वास्तव में उपनिवेशवाद से उद्योगवाद तक की यात्रा में एक समानता है 'सामंतवाद' की।

जिसके जरिए मनुष्य को गुलाम बनाए रखने की गहरी साजिश जान पड़ती है,क्योंकि हम वही कर रहे हैं जो कुछ चंद पूंजी वाले चाहते हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा कि "मनुष्य वह कर सकता है जो वह चाहता है पर वह यह चाह नहीं सकता कि क्या चाहे!" आज आपके 'चाहने' पर कुछ पूंजीवादी लोगों का नियंत्रण है।

भौतिकवाद का स्वभाव अधिक वस्तुओं के स्वामी होने पर अधिक सुख जैसा है। अब भला सुख से कोई क्यों विमुख रहना चाहेगा? लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि सुख के लिए पूरे संसार पर अपनी मनमानी चलाना जरूरी है? सुख की शर्त ऐसी नहीं हो सकती। हाँ लोभ की ऐसी शर्त अवश्य है कि सभी वस्तुओं पर अपना अधिकार हो। मानव जीवन की दो प्रमुख बातें है। एक 'आवश्यकता' जो पूर्ण होने पर 'सुख' की अनुभूति देती है, दूसरा 'वासना' जो 'लोलुपता' को आकर्षित करती है। जीवन की वास्तविक आवश्यकता रोटी,कपड़ा,मकान,स्वस्थ शरीर और प्रेम यहीं है। इससे आगे जो कुछ भी है वह वासना है अर्थात अहंकार, महत्वाकांक्षा, पाखंड।

इसका असर देखिए! जिसके पास रीढ़ नहीं है वह भी महंगी पलंग और मैट्रेस ढूंढ रहा है। घड़ी पहले समय बताती थी अब औकात बताती है। धर्म के सर्वेसर्वा भी अंधकार का भय दिखाकर टॉर्च बेचने के फिराक में है। पैसे से पाप को पवित्र करने की परंपरा चल पड़ी है। स्कूल से लेकर अस्पताल तक सब कुछ फाइव स्टार। अब अगर मुर्दा भी उठकर अपने लिए कोई ब्रांडेड कफन मांग ले तो आश्चर्य नहीं होगा क्योंकि उपभोक्तावादी दुनिया में सब संभव है। फणीश्वरनाथ रेणु ने कहा कि "जाति दो ही है एक गरीब और दूसरा अमीर" और यह सच भी है। भौतिकवादी दुनिया में चंद पूंजीपतियों को छोड़कर सब गरीब है लेकिन कोई मनाने को तैयार नहीं और अच्छी बात ये है कि सरकार और पूंजीपति भी यही चाहते हैं की आप बनावटी विलासिता के मेटावर्स में स्वघोषित राजा बने रहें। दरअसल उपभोक्तावाद के जिस अंधदौड़ में आप दौड़ रहे है या प्रेरित हो रहें है। उसका कोई एंडिंग पॉइन्ट नहीं है। अगर आप जीत भी गए तो कुछ हासिल नहीं होगा क्योंकि इस दौड़ का विजेता पहले से निर्धारित है।

प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्तावाद से समस्या क्या है? वैसे तो इस दौर की अधिकाधिक समस्याओं की जननी ही उपभोक्तावाद है। फिर भी इसका सीधा प्रभाव पर्यावरणीय स्थिरता पर पड़ता है। इच्छा को पूरा करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों का ह्रास हो रहा है बल्कि इसका दुष्परिणाम भी हमारे के सामने है। आज हमारे बीच एक ऐसा अभिजात वर्ग बनकर तैयार हुआ है। जो दावा करता है कि पैसे से सब कुछ संभव है। प्रेम,करुणा,दया यहाँ तक कि इंसानी शरीर भी इसके लिए वस्तु है। मैं इससे बहुत ज्यादा अचंभित नहीं हूं क्योंकि जिस समाज में प्रतिष्ठा का आधार ही भौतिक सुख मांग लिया गया हो, जहाँ स्वभाव की नहीं प्रभाव की पूजा होती हो,संस्कार नहीं अहंकार का गुणगान होता हो, चरित्र का नहीं पूंजी की स्तुति होती हो वहाँ क्या ही उम्मीद की जा सकती है। बाजार की संस्कृति के सामने परिवार व स्कूल जैसे संस्थाओं के मूल्य कमजोर पड़ रहे है। परिणाम स्वरूप लगाव, भावना, संयम, अनुशासन, परंपरा, सहानुभूति और प्रेम जैसे शब्द हमारे स्वस्थ समाजीकरण के पृष्ठभूमि से गायब हो रहा है। पिछले दिनों एसोचैम के सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन ने देश के तीन हजार कामकाजी माता-पिता पर एक अध्ययन कराया था। इसमें पता चला कि कामकाजी माता-पिता के पास अपने बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए केवल बीस मिनट का समय रह गया है। निश्चित ही पूँजीवादी दुनिया के लिए अच्छी खबर हो सकती है लेकिन आपके बच्चों और सभ्य समाज के विकास के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या होगा? इस जीवन शैली ने एक ओर अमीर व्यक्ति के भीतर की क्रूरता जगाई तो दूसरे ओर गरीबी के अभाव ने अंदर की विद्रोह को हवा दी। सच यह है कि इस प्रतिशोध में दोनों जल रहे हैं। एक वैभव के ढोंग को बरकरार रखने के लिए और दूसरा वैभव के पाखंड को प्राप्त करने के लिए। जबतक किसी भी समाज के विकास का मापदंड इकोनॉमिक ग्रोथ और जीडीपी के आंकड़े रहेंगे तबतक न्यूनतमवाद का सिद्धांत, पर्यावरणीय चेनता और मानवीय मूल्य सिर्फ भ्रम फैलाने वाले झूट ही साबित होंगे। अंततः इस जीवन शैली के विस्तार से सामाजिक सरोकार कमजोर पड़ रहे है। सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास हो रहा है, मयार्दाएं टूट रहीं है,नैतिक मापदंड ढीले पड़ रहे है। भोग की इच्छाएं आसमान छू रही हैं, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहीं है यह गंभीर चिंता का विषय है। गांधी जी ने कहा था कि स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाजे-खिड़की खुले रखे पर अपनी बुनियाद पर कायम रहें।

दयानंद सीमा मिश्र
विद्यार्थी जनसंचार एवं पत्रकारिता

राजनैतिक दलों की सम्पति

आदित्य नारायण चोपड़ा

भारतीय राजनीति में शुचिता और पारदर्शिता के पुरोधा लोकनायक जयप्रकाश नारायण मानते थे कि देश में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी वजह महंगे होते चुनाव हैं। अतः वह चुनाव प्रणाली में आमूल-चूल सुधार के प्रमुख अलम्बरदार थे। इसी वजह से उन्होंने 1974 में शुरू हुए अपने आन्दोलन की मुख्य मांग चुनाव सुधार रखी थी। मगर जेपी सत्ता की राजनीति से कोसों दूर थे जिसकी वजह से उन्हीं के चेले-चपेटों ने उनकी बात कभी नहीं सुनी और यहां तक हुआ कि 1977 में जो जनता पार्टी की मोरारजी देसाई सरकार कांग्रेस की इन्दिरा सरकार को हरा कर गद्दीनशीं हुई थी उसी ने जेपी द्वारा चुनाव सुधारों पर गठित तारकुंडे समिति की रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में फेंक कर नया चुनाव सुधार आयोग गठित कर दिया। यह मैं इसलिए याद दिला रहा हूं क्योंकि राजनीति में पारदर्शिता का अभियान चलाने वाली गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने अपनी हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में देश की प्रमुख राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों की कुल जमा नकद रोकड़ा सम्पत्ति का ब्यौरा प्रकाशित किया है। ये आंकड़े चुनाव आयोग के रिकार्ड में भी दर्ज हैं।भारत की आठ प्रमुख पार्टियों के पास कुल जमा रोकड़ा 8829 करोड़ रुपए है। इसमें सबसे ज्यादा हिस्सा सत्तारूढ़ भाजपा का 6046 करोड़ रुपए है। इसके बहुत नीचे जाकर दूसरे नम्बर पर कांग्रेस के पास 805 करोड़ रुपए हैं। तीसरे नम्बर पर केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी 736 करोड़ रुपए के साथ है और चौथे नम्बर पर बहन मायावती की बहुजन समाज पार्टी 691 करोड़ रुपए के आंकड़े पर है। पांचवें नम्बर पर पं. बंगाल की सुश्री ममता बनर्जी की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस 458 करोड़ रुपए के साथ है। भाजपा की सर्वाधिक रकम होने पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि वह केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी है, अतः धन्ना सेठ व पूंजीपति उसके कृपापात्र उसी तरह बनना चाहेंगे जिस तरह कांग्रेस के राज में चाहते थे। राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों को भी अच्छा चन्दा मिलने की वजह समझी जा सकती है मगर जो सबसे चिन्ताजनक संकेत हैं वे सांसदों के करोड़पति से अरब व खरबपति बनने के हैं। राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीसियों सांसद हैं जिनकी सम्पत्ति एक हजार करोड़ रुपए से ऊपर है। इसी प्रकार लोकसभा का भी आलम है। यदि भारत की गरीब जनता के चुने हुए प्रतिनिधि अरबपति होंगे तो निश्चित रूप से भारत के मालिक वे ही होंगे? मूल प्रश्न यही है जिसकी तरफ जेपी ध्यान दिलाया करते थे और चुनावों को सस्ता किये जाने की बात कहा करते थे। जिस देश के 50 प्रतिशत लोग प्रति महीने अधिकतम 1286 रुपए प्रतिमाह खर्च करके अपना गुजारा चलाते हों वहां उनके प्रतिनिधि अरबपति किस प्रकार हो सकते हैं? यह बहुत गंभीर प्रश्न है जिससे इस देश की सभी राजनैतिक पार्टियां आंखें चुराती हैं और लोगों को भरमाने के नये-नये तरीके खोजती रहती हैं। आज नहीं तो कल हमें इस प्रश्न पर गंभीरतापूर्वक विचार करना ही होगा वरना हमारा लोकतन्त्र पूंजीपतियों के पास गिरवी रखा मिलेगा। यह बात बहुत कड़वी है मगर सच्ची है। सवाल यह नहीं है कि किस पार्टी का शासन है मगर असली सवाल यह है कि राजनैतिक पार्टियों की बागडोर किन लोगों के हाथ में है? यहां प्रश्न पूंजीपतियों के विरोध या समर्थन का नहीं बल्कि उस चुनाव प्रणाली की शुचिता और पारदर्शिता का है जिसकी मार्फत इस देश की जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर उनके हाथ सत्ता की बागडोर सौंपती है।

जब चुनावों में कोई आम सुविज्ञ नागरिक खड़ा होने की हिम्मत ही नहीं कर पायेगा और धनपति व धन्ना सेठ अपनी धन शक्ति के बूते पर जनमत को प्रभावित करने से सक्षम होने लगेंगे तो लोकतन्त्र को ह्यधन-तन्त्रह्ल में बदलने से कौन रोकेगा? बेशक लोकतन्त्र में धन की भूमिका है मगर उसका बंटवारा आम जनता के बीच न्यायोचित रूप से करने के लिए शासन वचनबद्ध होता है। जब किसी देश की सकल विकास वृद्धि दर बढ़ती है तो आम जनता को उसका लाभ इस प्रकार पहुंचता है कि रोजगार की प्रचुरता के साथ राष्ट्रीय सम्पत्ति में भागीदारी बढ़ती जाती है। यह बाजारवाद का कहना है मगर गांधीवाद कहता है कि सरकारें स्वयं ऐसी व्यवस्था करें जिससे अमीर व गरीब के बीच की खाई पटे और यह कार्य गरीबों को सीधे सत्ता में भागीदारी देने से किया जाना चाहिए। अर्थात फैसले किये जाने के स्तर पर उनकी स्थायी भागीदारी होनी चाहिए। इसका सीधा सम्बन्ध सस्ते चुनावों से जाकर जुड़ता है। गांधीवाद इसी की वकालत करता है और कहता है कि सत्ता के शीर्ष पर मजदूर या किसान अथवा दलित की औलादों का बैठना तभी कारगर हो सकता है जबकि ये सब लोग पूरी तरह से आत्मविश्वास से भरे हों। यह आत्मविश्वास केवल सस्ती चुनाव प्रणाली ही दे सकती है।

राज्य विधिक प्राधिकरण के पूर्ण कालिक सचिव ने किया जेल का निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में आज दिनांक 06.09.2023 को जिला कारागार, गाजीपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के पूर्णकालिक सचिव, दीपेन्द्र कुमार गुप्ता, द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। बंदियों से निःशुल्क अधिवक्ता, जेल लोक अदालत तथा उनकी जेल अपील से संबंधित अन्य समस्याएं पूछी गयी एवं उनके यथोचित अधिकार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। सचिव महोदय द्वारा पुरूष एवं महिला बैरक का भी निरीक्षण किया गया तथा जेल के कई बंदियों से बात कर उनकी समस्याओं को समझने के साथ ही उनके निस्तारण का निर्देश दिया। सचिव महोदय ने कारापाल को जिला कारागार में स्थित जेल लीगल क्लीनिक पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए ताकि जेल में निरूद्ध बंदियों को समय से व समुचित विधिक सहायता प्राप्त हो सके। कारागार परिसर में साफ-सफाई, मच्छरो के बचाव के लिए छिड़काव के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कारापाल रविन्द्र सिंह यादव उपस्थित रहे।

जीवन की परीक्षा में अगर हमारे छात्र फेल हो रहे हैं तो शिक्षक पास कैसे हो सकते हैं?

प्रो. संजय द्विवेदी

जब हर रिश्ते को बाजार की नजर लग गयी है, तब गुरू-शिष्य के रिश्तों पर इसका असर न हो ऐसा कैसे हो सकता है ? नए जमाने के, नए मूल्यों ने हर रिश्ते पर बनावट, नकलीपन और स्वार्थों की एक ऐसी चादर डाल दी है, जिसमें असली सूरत नजर ही नहीं आती। अब शिक्षा बाजार का हिस्सा है, जबकि भारतीय परंपरा में वह गुरू के अधीन थी, समाज के अधीन थी। पूंजी के शातिर खिलाड़ियों ने जब से शिक्षा के बाजार में अपनी बोलियां लगानी शुरू की हैं, तबसे हालात बदलने शुरू हो गए थे। शिक्षा के हर स्तर के बाजार भारत में सजने लगे थे। इसमें कम से कम चार तरह का भारत तैयार हो रहा था। आम छात्र के लिए बेहद साधारण सरकारी स्कूल थे, जिनमें पढ़कर वह चौथे दर्जे के काम की योग्यताएं गढ़ सकता था। फिर उससे ऊपर के कुछ निजी स्कूल थे, जिनमें वह बाबू बनने की क्षमताएं पा सकता था। फिर अंग्रेजी माध्यमों के मिशनों, शिशु मंदिरों और मझोले व्यापारियों की शिक्षा थी जो आपको उच्च मध्य वर्ग के करीब ले जा सकती थी। और सबसे ऊपर एक ऐसी शिक्षा थी जिनमें पढ़ने वालों को शासक वर्ग में होने का गुमान, पढ़ते समय ही हो जाता है। इस कुलीन तंत्र की तूती ही आज समाज के सभी क्षेत्रों में बोल रही है। इस पूरे चक्र में कुछ गुदड़ी के लाल भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं, इसमें दो राय नहीं किंतु हमारी व्यवस्था ने वर्ण व्यवस्था के हिसाब से ही शिक्षा को भी चार खानों में बांट दिया है और चार तरह के भारत बनाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। जाहिर तौर पर यह हमारी एकता-अखंडता और सामाजिक समरसता के लिए बहुत घातक है।

हालात यह हैं कि हमारा युवा वर्ग उच्च शिक्षा के लिए तड़प रहा है। उसकी जरूरतों को हम पूरा नहीं कर पा रहे हैं। सरकारी क्षेत्रों की उदासीनता के चलते आज हमारे सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय लगभग स्लम में बदल रहे हैं। एक लोककल्याणकारी सरकार जब सारा कुछ बाजार को सौंपने को आतुर हो तो किया भी क्या जा सकता है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्चशिक्षा का बाजार अब उन व्यापारियों के हवाले है, जिनको इससे मोटी कमाई की आस है। जाहिर तौर पर शिक्षा अब सबके लिए सुलभ नहीं रह गई है। कम वेतन और सुविधाओं में काम करने वाले शिक्षक आज भी गांवों और सुदूर क्षेत्रों में शिक्षा की अलख जगाए हुए हैं। किंतु यह संख्या निरंतर कम हो रही है। सरकारी प्रोत्साहन के अभाव और भ्रष्टाचार ने हालात बदतर कर दिए हैं।

ऐसे कठिन समय में शिक्षक समुदाय की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। क्योंकि वह ही अपने विद्यार्थियों में मूल्य व संस्कृति प्रवाहित करता है। आज नई पीढ़ी में जो भ्रमित जानकारी या कच्चापन दिखता है, उसका कारण शिक्षक ही हैं। क्योंकि अपने सीमित ज्ञान, कमजोर समझ और पक्षपातपूर्ण विचारों के कारण वे बच्चों में सही समझ विकसित नहीं कर पाते। इसके कारण गुरू के प्रति सम्मान भी घट रहा है। रिश्तों में भी बाजार की छाया इतनी गहरी है कि वह अब डराने लगी हैं। आज आम आदमी जिस तरह शिक्षा के प्रति जागरूक हो रहा है और अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने के आगे आ रहा है, वे आकांक्षाएं विराट हैं। उनको नजरंदाज करके हम देश का भविष्य नहीं गढ़ सकते। सबसे बड़ा संकट आज यह है कि गुरु-शिष्य के संबंध आज बाजार के मानकों पर तौले जा रहे हैं। युवाओं का भविष्य जिन हाथों में है, उनका बाजार तंत्र किस तरह शोषण कर रहा है, इसे समझना जरूरी है। सरकारें उन्हें प्राथमिक शिक्षा में नए-नए नामों से किस तरह कम वेतन पर रखकर उनका शोषण कर रही हैं, यह एक गंभीर चिंता का विषय है। इसके चलते योग्य लोग शिक्षा क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि जीवन को ठीक से जीने के लिए यह व्यवसाय उचित नहीं है।

शहरों में पढ़ रही नई पीढ़ी की समझ और सूचना का संसार बहुत व्यापक है। उसके पास ज्ञान और सूचना के अनेक साधन हैं जिसने परंपरागत शिक्षकों और उनके शिक्षण के सामने चुनौती खड़ी कर दी है। नई पीढ़ी बहुत जल्दी और ज्यादा पाने की होड़ में है। उसके सामने एक अध्यापक की भूमिका बहुत सीमित हो गयी है। नए जमाने ने श्रद्धाभाव भी कम किया है। उसके अनेक नकारात्मक प्रसंग हमें दिखाई और सुनाई देते हैं। गुरू-शिष्य रिश्तों में मयार्दाएं टूट रही हैं, वर्जनाएं टूट रही हैं, अनुशासन भी भंग होता दिखता है। नए जमाने के शिक्षक भी विद्यार्थियों में अपनी लोकप्रियता के लिए कुछ ऐसे काम कर बैठते हैं जो उन्हें लांछित ही करते हैं। सीखने की प्रक्रिया का मर्यादित होना भी जरूरी है। परिसरों में संवाद, बहसें और विषयों पर विमर्श की धारा लगभग सूख रही है। परीक्षा को पास करना और एक नौकरी पाना इस दौर की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गयी है। ऐसे में शिक्षकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस पीढ़ी की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की है। साथ ही उनमें विषयों की गंभीर समझ पैदा करना भी जरूरी है। शिक्षा के साथ कौशल और मूल्यबोध का समावेश न हो तो वह व्यर्थ हो जाती है। इसलिए स्किल के साथ मूल्यों की शिक्षा बहुत जरूरी है। कारपोरेट के लिए पुरजे और रोबोट तैयार करने के बजाए अगर हम उन्हें मनुष्यता,ईमानदारी और प्रामणिकता की शिक्षा दे पाएं और स्वयं भी खुद को एक रोलमाडल के प्रस्तुत कर पाएं तो यह बड़ी बात होगी। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए एक दोस्त, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में सामने आते हैं। वह उसका रोल माडल भी हो सकते हैं। गुरु-शिष्य परंपरा को समारोहों में याद की जाने वाली वस्तु के बजाए अगर हम उसकी सही तस्वीरें गढ़ सकें तो यह बड़ी बात होगी। किंतु देखा यह जा रहा है गुरू तो गुरुघंटाल बन रहे हैं और छात्र तोलमोल करने वाले माहिर चालबाज। काम निकालने के लिए रिश्तों का इस्तेमाल करने से लेकर रिश्तों को कलंकित करने की कथाएं भी हमारे सामने हैं, जो शर्मसार भी करती हैं और चेतावनी भी देती है।

राजकीय चिकित्सालयों में स्वच्छता हेतु कायाकल्प अवार्ड के लिए हुआ अवेयरनेस बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत सरकार के द्वारा 2015 से राजकीय चिकित्सालय में स्वच्छता एवं हाइजीन व्यवस्था को सुदृढरित करने हेतु कायाकल्प अवार्ड योजना चलती है। जिसके अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अर्बन प्राथमिक केंद्र तथा हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को कायाकल्प अवार्ड के अंतर्गत आच्छादित करने के लिए तीन चरणों में असेसमेंट इंटरनल एंड एक्सटर्नल किया जाता है। इसी को लेकर आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में एसीएमओ डॉ मनोज सिंह की अध्यक्षता में 2 दिवसीय अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के सभी ब्लॉकों के बीपीएम, चिकित्सा अधीक्षक, सीएचओ, नर्स मेंटर शामिल रहे ।यह अवेयरनेस कार्यक्रम 9 सितंबर को भी चलेगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज सिंह ने बताया कि 5 सितंबर और 9 सितंबर को जनपद के सभी ब्लॉकों में कार्यरत चिकित्सा अधीक्षक बीपीएम सहित अन्य लोगों को बैठक के माध्यम से कायाकल्प अवार्ड योजना के बारे में जानकारी दी गई। उन लोगों को अपने स्वास्थ्य केंद्र को इस अवार्ड के लिए किन मुख्य बिंदुओं पर काम करना होगा ताकि शासन के द्वारा भेजी गई टीम के माध्यम से उनका स्वास्थ्य केंद्र इस योजना में चयनित हो। डीसीपीएम अनिल वर्मा ने बताया कि कायाकल्प अवार्ड योजना के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी पूर्व में चयनित किया जा चुका है। जिसमें 200000 का पुरस्कार उक्त स्वास्थ्य केंद्र को मिला था। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत जिला अस्पताल का चयन होने पर प्रदेश स्तर पर प्रथम आने पर 50 लाख, सेकंड 20 लाख और तीसरा स्थान आने पर 10 लाख का पुरस्कार है। वही कम्युनिटी हेल्थ सेंटर के लिए प्रथम स्थान पर 15 लाख ,सेकंड 10 लाख का पुरस्कार देय है ।प्राईमरी हेल्थ सेंटर या हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर प्रथम स्थान आने पर 2 लाख का पुरस्कार दिया जाता है। इस कार्यक्रम में डीपीएम प्रभुनाथ डॉक्टर आरपीसी सोलंकी पब्लिक हेल्थ सलाहकार क्वालिटी इंश्योरेंस वाराणसी डिविजन अनिल शर्मा एडमिन प्रोग्राम असिस्टेंट व अन्य लोग शामिल रहे।

जेएनसीयू में हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस का आयोजन

बलिया। जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में हर्षोल्लास के साथ शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता ने परिसर के शिक्षकों के साथ पूरे शिक्षक समुदाय को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कहा कि शिक्षक राष्ट्र और समाज का निमार्ता होता है। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को गढ़ने में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। शैक्षणिक निदेशक डॉ. पुष्पा मिश्रा ने कहा कि शिक्षक के प्रयासों से ही विद्यार्थी को सफलता प्राप्त होती है। विद्यार्थी के चरित्र के निर्माण में शिक्षक का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। अंग्रेजी विभाग मे छात्र - छात्राओं द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अजय कुमार चौबे ने कहा कि विभाग में एक स्वस्थ सांस्कृतिक परम्परा की नींव डालनी होगी जिससे कि नवागत छात्र -छात्राएँ अपने वरिष्ठों से सीख सकें तथा परम्परा का उत्तरोत्तर निर्वहन करें। डॉ चौबे ने सभी साथी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें मिलजुलकर विभाग एवं विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाना होगाक सबके साथ से ही सबका विकास सम्भव होगा। इस अवसर पर डॉ. दिलीप कुमार मध्देशिया ने बच्चों को शुभाशीष देते हुए कहा कि सभी को आपस में मिल - जुल विभाग की गतिविधियों में भाग लेना होगा जिससे विभाग में एक सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो। डॉ. सरिता पाण्डेय ने सभी बच्चों को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन् के पद?चिन्हों पर चलने का आहवान किया तथा बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं मे भाग लेने हेतु प्रेरित किया । डॉ. नीरज कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि अच्छे अंक ला कर सभी बच्चे विभाग एवं विश्वविद्यालय के साथ - साथ अपने परिवार का भी नाम रोशन करें। शिक्षक दिवस का आयोजन कृति, नम्रता, अंकिता, ताजीम, संजु, मुस्कान, साक्षी, सहाना, एवं आशीष द्वारा किया गया इस अवसर पर विवि परिसर के विद्यार्थियों को तनिष्क कंपनी के द्वारा सम्मानित किया गया। तनिष्क के कर्मचारी आदित्य पाण्डेय, मो. रजा एवं नेहा द्वारा परिसर के प्राध्यापकों को पुष्पगुच्छ एवं उपहार प्रदान किये गये।

ब्रेथ ईजी हास्पिटल द्वारा मिडियाकर्मी एवं परिजनों के लिए लगायी गयी निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ब्रेथ ईजी चेस्ट सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, अस्सी वाराणसी द्वारा 6 सितम्बर बुधवार को निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन मिडिया कर्मी एवं उनके परिजनों के लिए मैदागिन स्थित पराड़कर भवन किया गया जिसमे 127 मिडियाकर्मी एवं उनके परिजनों का स्वास्थ परिक्षण ब्रेथ ईजी अस्पताल के वरिष्ठ श्वांस, टी.बी एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ डॉ.एस.के पाठक के नेतृत्व में किया गया` स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन ब्रेथ इजी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. एस.के पाठक, पत्रकार संघ के अध्यक्ष डाक्टर अत्रि भारद्वाज , महामंत्री अखिलेश मिश्रा, प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरुण मिश्रा, मंत्री विनय शंकर सिंह व कोषाध्यक्ष संदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया` इस चिकित्सा शिविर में मरीजों का कंप्यूटर मशीन द्वारा फेफड़े की जाँच, रक्त में ऑक्सीजन मात्रा की जाँच, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर की जाँच, एलर्जी , खराटे अस्थमा, सीओपीडी, आईएलडी, आदि जैसी गंभीर बीमारियो की जाँच की गयी` चिकित्सा शिविर में आए सभी मरीजों को निःशुल्क दवा वितरण किया गया इस अवसर पर डॉ. एस.के पाठक ने बताया ब्रेथ ईजी अस्पताल पूर्वांचल का एक मात्र अग्रणी चेस्ट केयर अस्पताल बन गया है जहाँ पर मरीजो का कम समय व कम खर्च में जाँच, ईलाज व भर्ती की उत्कृष्ट सुविधा मिल जाती है` ब्रेथ ईजी समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता रैली, कैंप कर-के लोगो को श्वास रोगों के प्रति सजग कराता रहता है जो एक स्वस्थ समाज के लिए जरूरी है डॉ. पाठक ने आगे बताया ब्रेथ ईजी में अब तक 1.5 लाख से भी ज्यादा मरीजों का उपचार किया 50000 से ज्यादा मरीजों की जान बचायी गयी हैं जोकि गंभीर श्वांस की बीमारी से ग्रसित थे हजारों स्वास्थ जन जागुरूकता रैली भी निकाली गई विगत पन्द्रह वर्षो में ग्रामीण, कस्बों एवं शहरी क्षेत्र में तीन हजार से ज्यादा निःशुल्क स्वास्थ कैंप लगाए गए आम नागरिकों स्वस्थ लाभ पहुंचाया गया` ब्रेथ ईजी द्वारा विगत 20 वर्षों में अब तक पच्चास से अधिक जनरल प्रेक्टिसनर व स्वास्थकर्मियों को विभिन्न मेडिकल सेमिनार द्वारा प्रशिक्षित किया जो दमा, टी.बी, एलर्जी आदि बीमारी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है` पत्रकार संघ व प्रेस क्लब के पदाधिकारी ने बताया ब्रेथ ईजी द्वारा समय-समय पर विभिन्न ग्रामीण व शहरी क्षेत्रो में निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन एवं स्वास्थ जागरूकता रैली किया जाता रहा है।

देशी तमंचा व कारतूस के साथ कासिमाबाद पुलिस ने किया एक अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को जनसेवा केन्द्र सिधागर के संचालक अजीत साहनी पुत्र चन्द्रभान साहनी निवासी ग्राम सिधागर थाना कासिमाबाद गाजीपुर को अपने दुकान में ही लूट के इरादे से मोटर साइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियो द्वारा तमन्चा दिखाते हुए पैसो की मांग की गयी। संचालक द्वारा पैसे न देने पर बदमाशों द्वारा जान से मारने की नियत से फायर कर घायल कर दिया गया तथा मौके से भाग गये थे। जिस घटना के सम्बन्ध में वादी विश्राम साहनी पुत्र चन्द्रभान साहनी निवासी सिधागर कोडर थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर के लिखित तहरीर पर थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत किया गया। मुकदमा उपरोक्त के अनावरण हेतु उप निरीक्षक रोहित राज यादव मय हमराह थाना कासिमाबाद के साथ जुर्म जरायम व अपराधियो की धर पकड़ हेतु अन्दर थाना क्षेत्र मामूर थे कि मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 01 नफर अभियुक्त अजय यादव पुत्र विजय यादव निवासी ग्राम कोडरी घुरहा बंधा थाना मरदह जनपद गाजीपुर उम्र करीब 21 वर्ष को कुतुबपुर एक्सप्रेस वे की पुलिया के पास सिधउत मोड से होकर मरदह जाने वाली सड़क सर्विस लेन से एक अदद देशी तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ कारण बताते हुए समय 05.55 बजे पुलिस हिरासत लिया गया। अन्य विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। अभियुक्त के उपर अन्य थानों में भी विभिन्न अपराधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक रोहित राज यादव थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर, कांस्टेबल सनोज यादव, कांस्टेबल अनुराग वर्मा थाना कासिमाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

पीजी कॉलेज पूर्व प्रबंधक के जन्म शताब्दी वर्ष पर सम्मानित किए गए प्राध्यापक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के संस्थापक सचिव तथा प्रबंधक जन्म शताब्दी वर्ष पर शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर संगोष्ठी कक्ष में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधा कृष्णन एवं माता सरस्वती जी के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण कर प्रारंभ किया गया। समारोह में सेवानिवृत हुए रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० दिनेश कुमार सिंह व शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० अनुराग सिंह तथा नव नियुक्त मनोविज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अनुज कुमार मिश्र व अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री आस्था सिंह को अंगवस्त्रम, प्रमाण-पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में आईसीएसएसआर द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट की समन्वयक डॉ० रुचि मूर्ति सिंह को भी सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पीजी कॉलेज गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को हम सभी शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि पूरी दुनिया एक विद्यालय है, जहां हम कुछ ना कुछ सीखते हैं। हमारे शिक्षक हमें केवल पढ़ाते ही नहीं बल्कि हमें अच्छे बुरे के बीच का फर्क भी समझाते हैं, उनकी दी गई यह सीख हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। प्रोफेसर पाण्डेय ने यह भी कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता वह हमेशा सीखता और सिखाता रहता है, जिससे वे अपने छात्रों को राष्ट्र निर्माण में जोड़ें रखता है। राष्ट्र निर्माण का यही जोड़ शिक्षक को राष्ट्र निमार्ता की संज्ञा प्रदान करता है। उन्होंने ने कहा कि शिक्षक की वास्तविक पूंजी उसका छात्र होता है। विश्व में एक मात्र शिक्षक ही ऐसा व्यक्ति होता है जो अपने प्रत्येक छात्र की सफलता पर सबसे ज्यादा खुश एवं आह्लादित होता है। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर डॉ0 एस० डी० सिंह परिहार, प्रोफेसर डॉ० जी०सिंह, प्रोफेसर डॉ० अरुण कुमार यादव, प्रोफेसर डॉ० सुनील कुमार, प्रोफेसर डॉ० सत्येंद्र नाथ सिंह, प्रोफेसर डॉ० धर्मराज सिंह, डॉ०सुनील कुमार शाही, प्रोफेसर डॉ० प्रेमानंद यादव, डॉ० रविशेखर सिंह, डॉ० राम दुलारे, डॉ० हरेंद्र सिंह, डॉ० योगेश कुमार, डॉ० ओमदेव सिंह गौतम, डॉ० रागिनी अहिरवार, लवजी सिंह, अंजनी कुमार गौतम, अमरजीत सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ० समरेंद्र नारायण मिश्र ने किया।

स्वर्णकार समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पद एवं गोपनीयता की ली शपथ

रसड़ा, बलिया। स्थानीय नगर के एक मैरेज हाल के सभाकक्ष में स्वर्णकार समाज द्वारा आयोजित नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए हाटा (देवरिया) के भाजपा विधायक मोहन वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज शिक्षित होकर अपने सामाजिक व राजनीतिक अधिकार के लिए संघर्ष करें तभी समाज का विकास संभव है। इसके पूर्व अपने इष्टदेव नरहरि महराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्य का शुभारंभ किया विधायक ने नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेश कुमार सोनी, उपाध्यक्ष सुनील वर्मा व गोविंद सोनी, महामंत्री सुरेंद्र तथा कोषाध्यक्ष संतोष कुमार वर्मा को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलायी।

भगवान महावीर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बंगा में लड्डू गोपाल (श्री कृष्ण) विराजमान

प्रखर आजमगढ़। जैसा कि आप सभी को पता है कि भाद्रपद माह चल रहा है जिसमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। इसी क्रम में भगवान महावीर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बाल गोपाल श्री कृष्ण जी को विराजमान किया गया और समस्त स्टाफ ने भगवान श्रीकृष्ण को नमन किया। श्री कृष्ण के मामा कंस अत्याचारी शासक थे, उन्होंने अपनी बहन देवकी का विवाह वासुदेव के साथ कर दिया। फिर बाद में अपनी बहन देवकी के पुत्र से अपनी मृत्यु का समाचार जानकर उन दोनों लोगों को मथुरा के कारागार में डाल दिया। श्री कृष्ण जी का जन्म भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष अष्टमी तिथि रोहिणी नक्षत्र में मध्य रात्रि में कारगर में हुआ था। जन्म श्री कृष्ण उत्पन्न हुए उस समय आकाश में घनघोर बादल छाए हुए थे और मूसलाधार बारिश हो रही थी। उसी समय पैदा होने के बाद ही वासुदेव जी के हाथ और पैरों में पड़ी श्रृंखलाएं स्वतः खुल गई और कारागार के दरवाजे भी खुल गए। फिर बालक की रक्षा हेतु वासुदेव जी ने श्रीकृष्ण को लेकर यमुना की ऊंची लहरों को पार करते हुए गोकुल में नंद बाबा के घर पहुंचा दिया। इनके बारे में ऐसा वर्णन है की वहां थोड़े बड़े होने पर ग्वालों के साथ किसी के घर जाके दही खाते थे और ग्वालों को भी खिलाते थे,कभी कभी तो दही का बर्तन भी तोड़ देते थे।कई गोपियां इनको गोंद में लेकर अपने घर जाया करती थीं।श्री कृष्ण को उनके भक्त कई नामों से पुकारते हैं, जिनमें नंदलाल कन्हैया, माखनचोर, गोपाल आदि प्रमुख है। ऐसा कहा जाता है कि श्री कृष्ण का कलयुग में महात्म्य और बढ़ने वाला है। उनके मुख से निकली गीता के सभी श्लोक हमें जीवन दर्शन का अनुभव कराते है। गीता को दुनिया में सबसे अधिक आध्यात्मिक और दार्शनिक ग्रंथ माना जाता है। श्री कृष्ण सबके प्यारे बन चुके थे।उनकी अनेकों लीलाओं का वर्णन मिलता है। इसलिए वह सभी को प्रिय थे। वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम्। देवकी परमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्।। अर्थात मैं वासुदेवानंदन जगद्गुरु श्री कृष्ण चंद्र को नमन करता हूं, जिन्होंने कंस और चानूर को मार डाला, देवकी का आशीर्वाद।

अभाविप वाराणसी महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व की सबसे बड़ी छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने 75 वर्षों की यात्रा को पूरा करते हुए सशक्त छात्र शक्ति निर्माण के साथ राष्ट्र पुनर्निर्माण में प्रयासरत है इसी के निमित्त आजादी के अमृत महोत्सव एवं शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर अभाविप वाराणसी महानगर के कार्यकताओं द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन सभागार मे भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी (कुलपति, MGKVP), अभिलाष (प्रांत संगठन मंत्री, ABVP), प्रो. सुचिता त्रिपाठी (प्रांत अध्यक्ष, ABVP), डॉ ऊर्जस्विता सिंह (महानगर अध्यक्ष, ABVP), अभय सिंह (महानगर मंत्री ABVP), डॉ राकेश तिवारी (प्रांत सह कार्यवाहक RSS) व सैकड़ों की संख्या में पधारे शिक्षकगणों की उपस्थिति रही। प्रोफेसर सुचिता त्रिपाठी प्रांत अध्यक्ष, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने उद्बोधन में "गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः" श्लोक से शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी व बताया अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 75 वर्षों की यात्रा को संपूर्ण करने का जो कीर्तिमान रचा है इसमें शिक्षकों की असीम व अभूतपूर्व भूमिका रही है शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही अभाविप के सभी छात्र कार्यकर्ताओं ने 75 वर्षों से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व देश को नई ऊंचाइयों पर ले गये हैं और उसे और सशक्त और मजबूत बनाने का काम किया है व करते रहेंगे जिस तरह भारतीय गुरुकुल परंपरा से लेकर वर्तमान समय की शिक्षा पद्धति तक शिक्षकों ने छात्रों के जीवन की हर मार्ग पर मार्गदर्शन किया है उसी महान शिक्षकों के मार्गदर्शन से अमृत काल की इस शुभ घड़ी मे भारत की नई शिक्षा नीति धरातल पर सफल बनेगी। इस अवसर पर अभय सिंह महानगर मंत्री, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सभागार को उद्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका छात्र के जीवन में बाल आयु से युवा आयु व जीवनकाल के हर पथ पर होती हैं शिक्षकों का मार्गदर्शन अमृत समान होता है जिसके उर्जा से छात्र का जीवन सफल होता है। शिक्षक सम्मान समारोह के शुभ अवसर पर कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ (MGKVP) ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) शिक्षकों और छात्र कार्यकताओं के कर्मठ सेवा भाव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) द्वारा अयोजीत सील दूर यात्रा से लेकर कोरोना काल में किए गए सेवा कार्यो व अमृत महोत्सव, जी-20 के निमित्त कार्यो व आयोजनों की भूरी -भूरी सराहना की इस शुभ अवसर पर कुलपति जी के कर कमलों से अपने शिक्षण क्षेत्र में प्रतिष्ठित सैकड़ों शिक्षकों को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) द्वारा सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 सितंबर

प्रखर मऊ। प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मऊ संजीव कुमार जैन ने बताया कि राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद उ०प्र० अलीगंज-लखनऊ द्वारा प्रदेश में चल रहे राजकीय / निजि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश सत्र-2023 गैर चयनित प्रवेश हेतु तथा नया आवेदन हेतु वेबसाइट www.scvtup.in पर दिनांक- 06 सितंबर 2023 से 08 सितंबर 2023 तक नया आवेदन हेतु पोर्टल खोल दिया गया है, (सा० / पि.-रू0 250.00 अनु० / अनु०जन जाति-रू0 150.00) नये आवेदन हेतु इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन कर सकते हैं।

जिलाधिकारी एस राजलिंगम और मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने निमार्णाधीन अटल आवासीय विद्यालय का किया निरीक्षण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल सहित सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों संग करसड़ा में निमार्णाधीन अटल आवासीय विद्यालय के पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया। अटल आवासीय विद्यालय परियोजना वर्ष 2020 में प्रारम्भ हुई जिसकी लागत 66.54 करोड़ है इसे मार्च 2023 में पूर्ण होना था लेकिन वर्तमान में 91 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है` निरीक्षण के दौरान विद्यालय का कुछ आवासीय भाग के निर्माण अवशेष होने पर निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया कि इस परियोजना को प्रत्येक दशा में सितम्बर 2023 में पूरा करायें उन्होंने कहा कि विद्यालय का सत्र इस वर्ष प्रारम्भ होना है इसलिए कार्य की गति बढ़ायें इसमें कोई ढ़ील नहीं दी जायेगी। अटल आवासीय विद्यालय परिसर के निकट एक खाली भवन चिन्हित किया गया है जिसके आधे भाग में पुलिस चौकी स्थापित होगी तथा आधे भाग में स्वास्थ्य केन्द्र बनेगा इसके अलावा मुख्य मार्ग से परिसर को जोड़ने वाले मार्ग को पीडब्ल्यूडी विभाग के अभियंता को निर्देशित किया।

यूथ फेस्ट 2023 के अनतर्गत जनपद स्तर मैराथन दौड़ 14 सितम्बर को

प्रखर पूर्वांचल, मऊ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अपर परियोजना निदेशक उ०प्र० राज्य एड्स नियन्त्रण सोसाइटी लखनऊ के निर्देश के क्रम में दिनांक 14 सितंबर 2023 को प्रातः 07:00 बजे से 5 किमी मैराथन दौड़ डॉ भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट स्टेडियम मऊ में आयोजित किया जाएगा।

जनता के बुनियादी सवालों से भाजपा का कुछ लेना देना नहीं है : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित हुई। इस बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची में नाम बढ़ाने, बिजली कटौती, नहरों की सफाई और बूथ स्तर के संगठन के विस्तार पर विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इसके साथ साथ दिनांक 9अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर सेक्टर वार आयोजित जनचौपाल में आयी जनसमस्याओं को लेकर जिलाधिकारी से मिलने का भी फैसला लिया गया। बैठक में कार्यकताओं ने जिला प्रशासन से जनपद को सूखाग्रस्त करने की मांग किया। इस बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने सभी कार्यकताओं से सांगठनिक कार्यों को गंभीरता से लेने की हिदायत दिया और कहा कि सांगठनिक कार्यों में लापरवाही कत्तई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं साम्प्रदायिक सोच की चर्चा करते हुए उन्होंने भाजपा सरकार को षड्यंत्रकारी बताया और कहा कि वह जनता को प्रलोभन देकर अपने सत्ता की भूख को पूरा करना चाहती है। चारों तरफ अराजकता फैली हुई है। मंत्रियों के घर पर हत्या हो रही हैं इसके बावजूद भाजपा नेताओं द्वारा प्रदेश में कानून का राज और रामराज होने का दावा किया जा रहा है। चारों तरफ लूट मची हुई है। थाने और तहसील लूट के केन्द्र बन गये हैं। जब देश मंहगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की आग में जल रहा है ऐसे दौर में भाजपा सरकार देश को इंडिया बनाम भारत के मुद्दे पर उलझाना चाहती है। भाजपा सरकार का मकसद झूठ फरेब के बल पर और देशवासियों का भावनात्मक शोषण कर सत्ता हासिल करना है। जनता के बुनियादी सवालों से भाजपा सरकार का कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जब इंडिया शब्द से भाजपा को आत्म गौरव का बोध नहीं हो रहा था तो शाइनिंग इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया,मेक इन इंडिया का नारा देते समय उन्हें अपनी गलती और आत्म गौरव का एहसास क्यों नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि जनता इनकी असलियत जान चुकी है। जनता के बीच अपनी घटती लोकप्रियता देख भाजपा सरकार जनता का ध्यान बुनियादी सवालों से हटाकर ऐसे भावनात्मक मुद्दों की ओर खींचना चाहती है लेकिन 2024के चुनाव में जनता ने भाजपा सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है, जनता उन्हें बख्शने वाली नहीं है, आगामी लोकसभा के चुनाव में उनकी बिदाई तय है। इस बैठक में मुख्य रूप से रामधारी यादव, सुरज राम बागी, चन्द्रिका यादव, अशोक कुमार बिंद, राम जी राय, रविन्द्र प्रताप यादव, मदन यादव, मारकन्डेय यादव, तहसीन अहमद, राजेंद्र यादव, कमलेश यादव, बलिराम यादव, डॉ समीर सिंह, राजेश कुमार यादव, परशुराम बिंद, रमेश यादव, केसरी यादव, दिनेश यादव , राम सिंह, हीरा लाल सिंह यादव, विजय शंकर चौरसिया, कैलाश यादव, शेर अली राईनी, रमेश गोड़, रामप्रकाश यादव, भरत यादव, रामविजय यादव, फिरोज जमाल अंसारी, अपरवल यादव, कन्हैया यादव, आदित्य यादव, गोपाल यादव, वंशराज यादव आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन जिला सचिव एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

सेवा सदन स्कूल कथरिया पर शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया

बलिया। सदन स्कूल कथरिया पर शिक्षक दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक डॉ सुधीर कुमार सिंह ने केक काटकर किया, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को देश के पहले उपराष्ट्रपति और पूर्व राष्ट्रपति, विद्वान, दार्शनिक व भारत रत्न से सम्मानित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। राधाकृष्णन जन्म इसी दिन 1888 में हुआ था। 1962 में जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत के दूसरे राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाला तो उनके छात्र 5 सितंबर को एक विशेष दिन के रूप में मनाने की अनुमति मांगने के लिए उनके पास पहुंचे। जिस पर उन्होंने छात्रों से समाज में शिक्षकों के अमूल्य योगदान को बताने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया। डॉ. राधाकृष्णन ने एक बार कहा था कि "शिक्षकों को देश में सर्वश्रेष्ठ दिमाग वाला होना चाहिए।" इस दौरान छात्रों ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत करने के साथ साथ वे अपने शिक्षकों की नकल करने के लिए कई तरह के कार्यक्रम भी किये,कार्यक्रम का संचालन शिवानी पटेल ने किया तथा धन्यवाद स्कूल की प्रिंसिपल सुमन सिंह ने व्यक्त किया।

बुढ़ापे में होने वाली समस्याएं और उनका समाधान

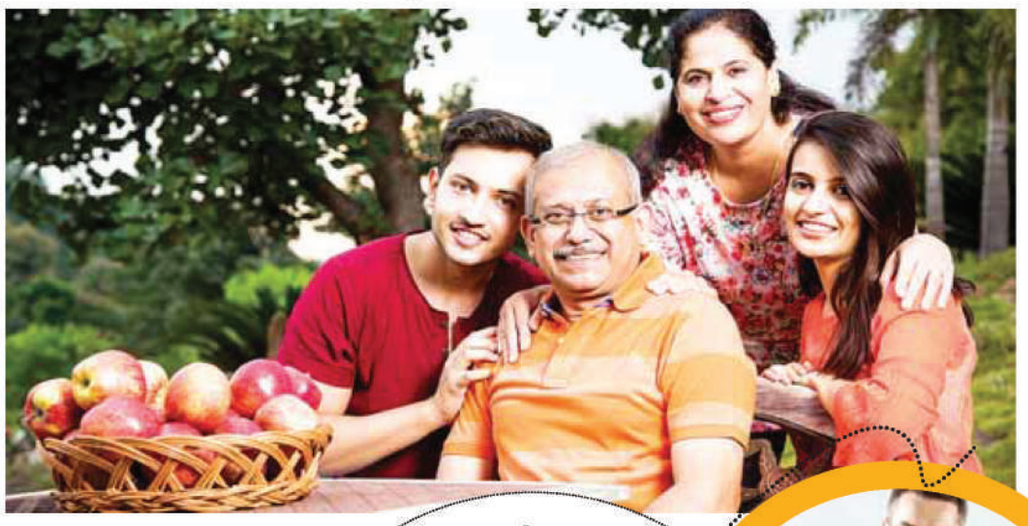

सभी को अपनी जिन्दगी में बुजुर्ग होने का एहसास करना पड़ता है और उसमे होने वाली परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे सवाल उठता है की बुजुर्गों की देखभाल कैसे करें ताकि वह स्वस्थ रहें। दरअसल बुढ़ापे में शरीर शारीरिक रूप से कमजोर हो जाता है। आपकी किसी भी काम करने की प्रतिक्रिया धीमी हो जाती है, हड्डियों और मांसपेशियों की ताकत कम होने लगती है, दृष्टि कमजोर होती है, शरीर के कई अंग ठीक से काम नहीं करते हैं।

बुजुर्गों को बुढ़ापे में होने वाली समस्याएं

जोड़ों में दर्द रहता है- जैस जैसे उम्र बढ़ती जाती है हड्डियां कमजोर होने लगती है इसलिए जोड़ो में दर्द रहने लगता है।

खाना पचने में दिक्कत- बुजर्गों द्वारा खाना खाए जाने पर भी उनका खाना पचने में दिक्कत होती है।

हृदय रोग- बुजुर्गों की देखभाल करना कोई आम बात नहीं है, ऐसे बहुत से बुजुर्ग लोग हैं जिन्हें हृदय रोग की समस्या भी होती है।

अधिक थकान होना- बुजुर्गों को उम्र बढ़ने की वजह से थकान जल्दी होती है, थोड़ा बहुत काम करने पर भी उन्हें थकान महसूस होती है।

आंखों की रौशनी होना- वैसे तो ये समस्या आज के में नौजवानों में भी देखने को ज्यादा मिलती है, लेकिन बुढ़ापे में दूर की नजर कमजोर होना आम बात है। इसकी वजह से उन्हें आंखों का ऑपरेशन भी करवाना पड़ता है।

ब्लड प्रेशर होना- उम्र बढ़ने पर ब्लड प्रेशर की समस्या बहुत से बुजुर्गों को परेशान करती है उन्हें दवाइयों से भी जल्दी आराम नहीं मिलता।

हृदय रोग- हृदय रोग बुजुर्गों में ज्यादा देखने को मिलता है और इसकी वजह से उन्हें सांस से जुड़ी समस्या भी होनी शुरू हो जाती है।

हड्डियां कमजोर होना-

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है शरीर की काम करने की क्षमता भी कम होने लगती है और इसका सीधा असर बुजुर्गों की हड्डियों पर होता है और बुढ़ापे में उनकी हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो जाती हैं।

एसिडिटी होना- एसिडिटी होने पर उन्हें सीने में काफी जलन होने लगती है। इसकी वजह से उन्हें भूख भी नहीं लगती है और उनका खाना ऊपर की ओर आता है।

नींद ना आना- नींद की समस्या बुजुर्गों से लेकर नौजवानों में कई बीमारियों का कारण बनती है। उन्हें देर रात तक नींद नहीं आती है इसकी वजह से उनका पूरा दिन आलस से भरा रहता है।

इस तरह करें बुजुर्गों की देखभाल

मानसिक स्वास्थ्य पर रखें नजर

यदि उन्हें किसी तरह की तकलीफ हैं, तो इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है इसलिए उनके साथ रहने वाले को इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

नियमित रूप से डॉक्टरी सलाह

यदि बुजुर्ग सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो रहा है, तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। क्योंकि तकलीफ के समय एक डॉक्टर ही इसे समझ पता है और उसके अनुसार उन्हें दवाई देता है ताकि उन्हें आराम मिल जाए।

बुजुर्गों के साथ समय बिताएं

यदि आप अपने काम में बहुत ज्यादा व्यस्त हैं, तो आपको जब भी थोड़ा सा समय मिले तो वो उस समय बुजुर्गों का हाल चाल पूछे उनसे बातें करें।

खाने का ध्यान रखें

बुजुर्गों को खाने के समय पर ही खाना दें, इसकी वजह से उनके शरीर में कमजोरी आती है और खाना समय पर ना खाने से ढंग से पचता नहीं है और इसकी वजह से उन्हें सोने में भी दिक्कत हो सकती है और उन्हें एसिडिटी भी हो सकती है।

केयर टेकर रखें

बुजुर्गों की देखभाल करने के लिए एक केयर टेकर रखें, ताकि वह उसका अच्छे से ध्यान रखें और उसके खाने और समय पर दवाई दें। लेकिन उसके अलावा आपको इस बात का भी ध्यान रखना होगा की केयर टेकर उस बुजुर्ग व्यक्ति का ध्यान रखें।

दिल्ली के आसपास मौजूद हैं ट्रेकिंग की ये शानदार जगहें, वीकेंड को बना देंगी मजेदार

अधिकतर लोगों को घूमना-फिरना काफी ज्यादा पसंद होता है। ऐसे में लोग छुट्टियां मिलते ही घूमने के लिए निकल जाते हैं। लेकिन कई बार छुट्टियां नहीं मिलने पर हमारे पूरे प्लान पर पानी फिर जाता है। ऐसे में अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप वीकेंड पर ट्रैकिंग का आनंद उठा सकते हैं। बता दें कि यह जगह दिल्ली के काफी पास हैं। ऐसे में आपको इन जगहों पर जाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। इन लोकेशन पर आप अपने दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

नाग टिब्बा ट्रैक- बता दें कि उत्तराखंड के निचले हिमालय क्षेत्र की सबसे ऊंची चोटी में नाग टिब्बा ट्रेक का नाम शामिल है। अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ ट्रेकिंग का प्लान बना रहे हैं तो आपको यह जगह जरूर एक्सप्लोर करनी चाहिए। 5-6 घंटे के अंदर आप इस इस ट्रैक को पूरा कर सकते हैं। यह जगह नाग टिब्बा एडवेंचर, हॉट डेस्टिनेशन, वीकेंड गेटअवे, विंटर ट्रेक्स के नाम से फेमस है। नाग टिब्बा के सबसे पास जॉली ग्रांट हवाई अड्डा है। लेकिन अगर आप ट्रेन से यहां आना चाहते हैं तो आप देहरादून रेलवे स्टेशन से आ सकते हैं। जिसके बाद कीरब 73 किमी आगे जाना होगा। इसके बाद नाग टिब्बा की ट्रेकिंग शुरू होती है। इस जगह पर जाने के लिए आप के पास कम से कम 2 दिन का समय होना चाहिए। यहां से आप हिमालय का शानदार व्यू भी देख सकते हैं।

केदारकांठा शिखर- भारत में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले ट्रैक केदारकांठा शिखर बेहद खूबसूरत जगह है। बता दें कि उत्तरकाशी जिले में गोविंद वन्यजीव अभयारण्य के भीतर केदारकांठा स्थित है। इस जगह को एक्सप्लोर करने के लिए आपके पास 2 दिन का समय होना चाहिए। इस ट्रैक को शुरू करने के लिए आपको सांकरी पहुंचना होगा। वहीं पहले आपको दिल्ली से देहराहून आना होगा। केदारकांठा शिखर देहरादून से करीब 200 किमी दूर स्थित है। केदारकांठा ट्रैक की शुरूआत सांकरी से ही करनी होगा। इस जगह से आप हिमालय का शानदार नजारा देख सकते हैं।

त्रिउंड ट्रैक- इस ट्रैक के बारे में काफी कम लोगों को पता है। निउंड ट्रैक धौलाधार रेंज के निवास में धर्मशाला से 18 किलोमीटर की दूरी पर है। इस ट्रैक को आप मैक्लोडगंज से शुरू कर सकते हैं। यह ट्रैक करीब 9 किमी का ट्रेक है। जिसे 4-6 घंटे में आसानी से पूरा किया जा सकता है। यहां से आप कई खूबसरत व कभी न भूलने वाले नजारों को देख सकते हैं। ऐसे में अगर आप अपने दोस्तों के साथ कोई छोटा ट्रेक प्लान कर रही हैं, तो आपको त्रिउंड ट्रेक पर जरूर जाना चाहिए।

संस्कारों और अनुभव का खजाना हैं हमारे बुजुर्ग

हमारे समाज में बुजुर्ग हमेशा से परिवार के मुखिया के तौर पर सम्मानिय रहे हैं। सयुंक्त परिवार में तो बुजुर्ग की अहमियत सबसे ज्यादा रही है। परिवार को एक सूत्र में पिरोने का कार्य हमेशा से हमारे बुजुर्गों ने किया है। इनकी अहमियत का अंदाजा हम इन शब्दों से लगा सकते है कि कुछ पल बैठा करो बुजुर्गों के पास हर चीज गूगल पर नहीं मिलती। जी हां आज के इस आधुनिक युग में हम इंटरनेट के माध्यम से हर जानकारी तो कुछ पल में ही हासिल कर सकते हैं, लेकिन अच्छे संस्कार और आचरण हमें परिवार के बुजुर्ग सदस्यों से बढकर कोई नहीं दे सकता। बुजुर्ग हैं तो बच्चों की कहानियां गुलजार हैं। दुआओं की दुनिया आबाद है। रिश्तों की अहमियत बरकरार है। अनुभव का खजाना, स्नेह का नजराना। कंपकपाती अंगुलियों से बरसा आशीर्वाद ऊर्जा का संचार करता है। इस सब गुणों का एकमात्र भंडार हमारे बुजुर्ग ही हैं।

भारत, पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी वाला देश है और अब ये आत्मनिर्भर लोगों का भी देश बन चुका है। बावजूद यहां वरिष्ठ नागरिकों की स्थिति को लेकर हमेशा सवाल खड़े होते रहते हैं। देश में बुजुर्गों के साथ होने वाले अपराधों की संख्या भी बहुत ज्यादा है। ये एक ऐसी अवस्था है जब तन ही नहीं, व्यक्ति मन से भी बीमार पड़ने लगता है। ऐसे में बुजुर्गों को खास देखभाल की जरूरत होती है।

इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं। आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यत: इस बात से सर्वाधिक दु:खी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दु:खी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश हैं।

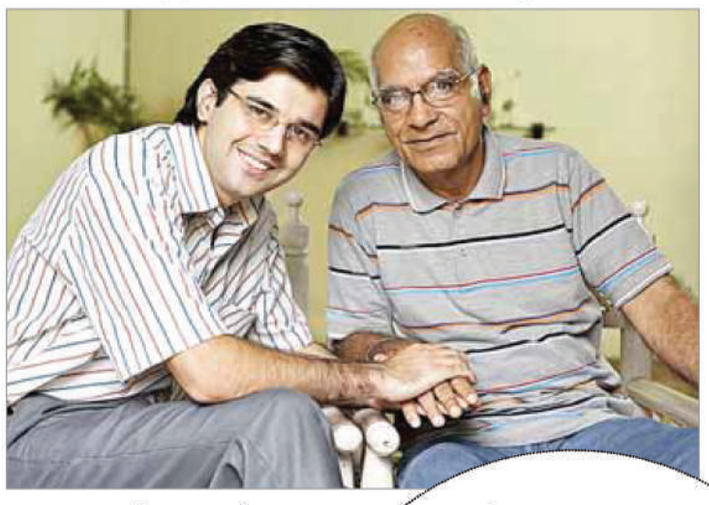

केवल सम्मान और प्यार की ही रखते हैं इच्छा

जबकि, एक तरह से देखा जाए तो परिवार के वरिष्ठ नागरिक आपसे सिर्फ सम्मान और प्यार की आशा रखते हैं, न कि धन और सुख-सुविधाओं की। बावजूद इसके अक्सर लोग अपने परिवार के वरिष्ठजनों के साथ रहने में हिचकिचाते हैं और उनसे अलग रहना पसंद करते हैं। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो हमारे समाज और खासकर बच्चों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बच्चे मां-बाप को उनके हाल पर अकेला छोड़ देते हैं।

आदर, सेवा और सम्मान के अधिकारी हैं बुजुर्ग

वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, ऐसे में युवाओं को एक बात बड़ी गहराई से बैठा लेनी होगी कि उन्हें भी समय के इस चक्र के गुजरना होगा और बुजुर्गों का आदर सम्मान और सेवा करनी चाहिए।

आखिर बुजुर्गों की समस्या का कारण क्या है

जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं।

परिवार को जोड़ने की अहम कड़ी हैं बुजुर्ग

बुजुर्ग परिवार की शान होते हैं और इनसे परिवार एक गांठ में जुड़ा रहता है। बुजुर्गों के कारण ही आज भी समाज मे संयुक्त परिवार बचे हुए है। परिवार के सुख दुख मे हमारे बुजुर्ग एक अहम भूमिका निभाते है और परिवार का हिम्मत और हौसला बढ़ाते है।

इन स्कीम्स से रिटायरमेंट के बाद नहीं होगी कोई दिक्कत

देश में बुजुर्गों को जीवन यापन के लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार दर्जनों योजनाएं चला रही हैं। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक जानकारी नहीं होती है। बीपीएल श्रेणी के 60 साल से अधिक आयु के वृद्ध वयस्कों के लिए शारीरिक सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करती है। इसलिए, वरिष्ठ नागरिक इसका लाभ उठाना चाहते हैं, तो उनके पास बीपीएल कार्ड होना चाहिए। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है और पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

वरिष्ठ पेंशन बीमा योजना

वित्त मंत्रालय द्वारा शुरू की गई यह पेंशन योजना 60 साल से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। एलआईसी कंम्पनी के पास इस योजना को संचालित करने का अधिकार है। इस पॉलिसी का फायदा उठाने के लिए कोई मेडिकल चेकअप करवाने की जरूरत नहीं है। यह 10 सालों तक 8 फीसदी प्रति वर्ष की गारंटीकृत ब्याज दर के साथ सुनिश्चित पेंशन प्रदान करता है। आप मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक पेंशन का विकल्प चुन सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे प्राप्त करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

यह योजना 2018 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने गरीब और कमजोर परिवारों के 10 करोड़ लोगों को कवर करने के लिए शुरू की थी। इस योजना के तहत माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये का कवरेज दिया जाता है।

वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष

सरकार द्वारा शुरू किए गए इस फंड में केंद्र सरकार की योजनाओं में छोटी बचत और बचत खातों से लावारिस राशि शामिल है। इसका मकसद वरिष्ठ नागरिकों को उनके समग्र कल्याण और स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्थिक रूप से स्थिर बनाना है।

वयोश्रेष्ठ सम्मान

सीनियर सिटीजन नेशनल अवॉर्ड (वयोश्रेष्ठ सम्मान) योजना 2005 में शुरू की गई थी, जो वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित है। योजना केंद्र सरकार से वित्त पोषित है। यह योजना प्रख्यात वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्ग व्यक्तियों की सेवा में लगी हुई प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए है। संस्थानों और वरिष्ठ नागरिक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय से संपर्क कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

रिवर्स मॉर्गेज योजना

इस योजना को 2007 में वित्त मंत्रालय द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए शुरू की गई थी। वे अपनी आवासीय संपत्ति को घर के मूल्य के 60 फीसदी के ऋण के खिलाफ, न्यूनतम 10 वर्षों के कार्यकाल के साथ बैंक के पास गिरवी रख सकते हैं।

अंडमान-निकोबार की ये जगह देख भूल जाएंगे विदेश, न्यूली वेड कपल को नहीं करना चाहिए मिस

अक्सर हनीमून के लिए कपल्स ऐसी जगह जाने का प्लान करते हैं, जो देखने में एकदम विदेश की तरह हो। हालांकि जिनके पास अच्छा खासा बजट होता है, उन्हें विदेश ट्रिप प्लान करने से पहले सोचना नहीं पड़ता है। लेकिन जो लोग विदेश नहीं जा पाते, उन्हें निराश होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो देखने में एकदम विदेश की तरह लगती है। बता दें कि अंडमान और निकोबार का एक ऐसा द्वीप जो देखने में एकदम मालदीव की तरह लगता है। यहां के फेमस द्वीप हैवलॉक आइलैंड, जिसे स्वराज द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। आपको यहां पर हनीमून के दौरान विदेश जैसा फील आएगा।

एलीफेंट बीच- एलीफेंट आइलैंड मन को छु जाने वाली समुद्री जगह है। यह जगह कोरल और रीफ की प्राचीन सुंदरता के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बता दें कि यहां पर कई डाइविंग स्पॉट और स्नॉर्कलिंग सेंटर हैं। अधिकतर समुद्र प्रेमियों को एलीफेंट बीच पर देखा जाता है। इस जगह पर आप कई एक्टिविटीज में हिस्सा ले सकते हैं। एलिफेंट बीच में आप कयाकिंग, जेट-स्कीइंग और पानी के नीचे बोटिंग आदि कर सकते हैं।

समुद्री जीवन- स्वराज द्वीप पर आ समुद्री जीवन का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं। यहां पर आपको जो भोजन मिलेगा, वह शायद किसी अन्य जगह पर नहीं मिलेगा। इस आइलैंड के हर बीच पर छोटी-छोटी झोपड़ियां और रेस्तरां बने हुए हैं। जहां पर आप सीफूड का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि इस आइलैंड पर कई ऐसे रिजॉर्ट हैं, जो लोगों को ऊंची-ऊंची चोटियों और समुद्र का भरपूर मजा देते हैं।

विजयनगर बीच- अपने पार्टनर के साथ सफेद मोतियों और समुद्र किनारे पड़ी चमकीली मिट्टीट का मजा लेने के लिए विजयनगर बीच पर घूमने के लिए जा सकते हैं। यह स्थान कई न्यूली वेड कपल की फेवरेट जगह बन चुकी है। इस बीच पर आप धूप भी सेंक सकते हैं। यहां पर आप सुकून के पल बिताने के साथ ही फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। विजयनगर बीच से आपको सनराइज और सनसेट का बेहद खूबसूरत नजारा देखने को मिलेगा।

लक्ष्मणपुर समुद्र तट- समुद्र तट भी खूबसूरती के लिहाज से लक्ष्मणपुर कुछ कम नहीं है। यहां पर आप शांत समुद्री जीवन का आनंद ले सकते हैं। इस जगह की सुंदरता आपके दिल में अपनी जगह जरूर बना लेगी। नील जेट्टी से महज 2 किमी की दूरी पर स्थित इस जगह पर आप आसानी से पैदल भी जा सकते हैं।

कालापत्थर बीच- कालापत्थर गांव के पास स्थित कालापत्थर बीच पर आपको दूर-दूर तक सफेद रेत मिलेगी। यहां इस बीच पर बड़े काले पत्थर और चट्टान स्थित हैं। स्वराज द्वीप के एक कोने पर स्थित यह बीच एक शानदार जगह है। बता दें कि एक साथ पड़ने वाली समुद्री जगहों में यह जगह आखिरी में हैं।

मिशन-2030 में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : गहलोत

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिक्षकों की राज्य सरकार के मिशन-2030 को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए उनसे आहवान किया है कि वे विद्यार्थियों को उच्च संस्कार देकर उनमें समाज सेवा की भावना विकसित करें।

50 जिलों के 149 शिक्षकों का सम्मान

श्री गहलोत मंगलवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक निर्णय किए हैं, जिससे राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि उन्नत और खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए राज्य सरकार ने मिशन-2030 की शुरुआत की है, जिसमें शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस मिशन के माध्यम से विजन डॉक्यूमेंट तैयार कर वर्ष 2030 तक देश के प्रथम राज्यों की पंक्ति में राजस्थान को शुमार करवाना हमारा ध्येय है।

समारोह में 50 जिलों के 149 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा उनके सम्मान में प्रकाशित शिक्षक सम्मान पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही भोपाल में आयोजित 66वें राष्ट्रीय स्कूल टूर्नामेंट में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले छह खिलाड़ियों का भी सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब काफी बदल चुका है। शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में प्रदेश काफी आगे बढ़ा है।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे मोदी

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण तेजी से चल रहा है। जनवरी के महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान रामलला के भव्य गर्भ गृह में प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इससे पहले मंगलवार को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिल्ली में मुलाकात की।

पीएम मोदी से मिले योगी आदित्यनाथ, विकास कार्यों पर 2 घंटे तक हुआ मंथन

दो घंटे से ज्यादा चली मुलाकात में प्रधानमंत्री को अयोध्या के डीएम और कमिश्नर द्वारा अयोध्या में चल रहे विकास कार्यों को लेकर प्रेजेंटेशन दिया गया। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री ने भी पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर और क्या काम किया जा सकते हैं उसको लेकर अपने सुझाव दिए. इसके अलावा अयोध्या में एक टेंपल म्यूजियम बनाया जाए इसको लेकर भी फैसला हुआ। सूत्रों के मुताबिक दो घंटे से ज्यादा चली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात की जानकारी ली कि अयोध्या में कितनी जमीन सरकार के पास उपलब्ध है जिससे की उसमें पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री का मानना है की अयोध्या में आने वाले समय में तीर्थ यात्रियों की संख्या में बहुत बढ़ोतरी होने वाली है, ऐसे में सभी यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिलें उसको लेकर सरकार को तैयारी करनी चाहिए। इसी के चलते प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से जानकारी ली कि अयोध्या में सरकार के पास कितनी जमीन उपलब्ध है।

अयोध्या को भव्य और दिव्य बनाया जाए

प्रधानमंत्री ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने को कहा जिसमें पार्किंग व लोगों के रुकने से लेकर तमाम सुविधाओं को विकसित किया जाए। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार की बैठक में ये भी तय किया गया कि अयोध्या को भव्य और दिव्य बनाया जाए। उसी को लेकर अयोध्या में टेंपल म्यूजियम बनाने का फैसला किया गया। टेंपल म्यूजियम में भारत में मौजूद प्रमुख मंदिरों को कैसे बनाया गया किस कला का प्रदर्शन मंदिर की डिजाइन में किया गया, उसको दिखाया जाएगा। इसके साथ-साथ आर्किटेक्ट की मंदिर निर्माण के समय क्या सोच थी, कैसे वो दिखते है और उनकी विशेषताओं को मंदिर संग्रहालय में दिखाया जाएगा।

यूपी के डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा ने राज्यसभा के लिए किया नामांकन

लखनऊ, (ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. दिनेश शर्मा ने मंगलवार को राज्यसभा के लिये होने वाले उपचुनाव के लिये भाजपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया। विधानभवन में भाजपा प्रत्याशी के तौर पर पर्चा दाखिल करते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के अलावा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी समेत कई मंत्री,विधायक और पदाधिकारी मौजूद थे।

गौरतलब है कि राज्यसभा में भाजपा सदस्य हरद्वार दुबे के निधन के कारण रिक्त सीट के लिये 15 सितंबर को उपचुनाव होगा। नवंबर 2020 में राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले श्री दुबे का 24 जून को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। भाजपा ने सूबे के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है। डा शर्मा योगी सरकार के पहले कार्यकाल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री रहे थे। इससे पहले वह 2006 से 2017 के बीच दो बार लखनऊ के महापौर रहे। वे गुजरात के प्रभारी के साथ पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने 29 अगस्त को उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी।

मास्को के हवाईअड्डों पर 40 उड़ानों में देरी

मास्को, (एजेंसी)। यूक्रेनी ड्रोन हमलों के प्रयास की जानकारी के बाद, रूस में मंगलवार को मास्को के वनुकोवो, डोमोडेडोवो और शेरेमेतयेवो हवाई अड्डों पर लगभग 40 उड़ानों में देरी हुई। रूसी आईटी दिग्गज यांडेक्स की शेड्यूल सेवा ने यह जानकारी दी। इससे पहले, मास्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा था कि रूसी वायु रक्षा बलों ने कलुगा और मास्को क्षेत्रों में यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया है।

शशिकला के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक लोकायुक्त की विशेष कोर्ट ने एआईएडीएमके की पूर्व महासचिव वीके शशिकला की अनुपस्थिति पर संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला आय से अधिक संपत्ति के मामले में शशिकला के परप्पाना अग्रहारा केंद्रीय जेल में रहने के दौरान प्रदान की गई सुविधा से संबंधित है। तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की शशिकला करीबी है।

ईडी ने नुसरत जहां को जारी किया समन

कोलकाता, (एजेंसी)। टीएमसी नेता व अभिनेत्री नुसरत जहां को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन जारी किया है, जिसमें एक रियल एस्टेट फर्म के साथ उनके कथित संबंध में 12 सितंबर को जांच अफसरों के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय एजेंसी ने सेवन सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के निदेशक राकेश सिंह को भी उसी तारीख को सुबह 11 बजे तलब किया है।

सैन्य कार्यक्रमों में शामिल होती हैं किम की बेटी

प्योंगयांग, (एजेंसी)। उ. कोरियाई नेता किम जोंग-उन सैन्य क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को उजागर करने और सशस्त्र बलों का समर्थन प्राप्त करने के लिए सैन्य-संबंधित कार्यक्रमों में मुख्य रूप से बेटी किम जू ऐ को साथ लेकर जाते हैं। किम जू ए पहली बार नवंबर 2022 में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की थी, जब उन्होंने ह्वासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण में हिस्सा लिया था। तब से, वह 15 कार्यक्रमों में शामिल हुई है।

आज का इतिहास

- **1552:** समंदर के रास्ते पृथ्वी का पूरा चक्कर लगाने वाला पहला जहाज विक्टोरिया आज ही के दिन स्पेन लौटा था।
- **1716:** पहला लाइट हाउस उत्तरी अमेरिका के बोस्टन में बनाया गया।
- **1870:** अमेरिका में पहली बार किसी महिला ने स्थानीय चुनावों में वोट डाला। हालांकि, राष्ट्रीय चुनावों में वोटिंग का अधिकार महिलाओं को 1920 में मिला था।
- **1901:** अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिनले को गोली मार दी गई थी। आठ दिन बाद उनकी मौत हो गई थी।
- **1915:** पहला युद्धक टैंक बनाया गया। इंग्लैंड में बने टैंक के पहले प्रोटोटाइप को ''लिटिल विलि' के नाम से पुकारा गया।
- **1916:** पहला सुपर मार्केट अमेरिका के टेनेसी में खुला।

चीन एससीओ के सदस्यों संग कानूनी मदद बढ़ाने को तैयार

बीजिंग, (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के साथ कानूनी सहयोग मजबूत करने के लिए तैयार है। चीन के केंद्रीय टेलीविजन ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि श्री जिनपिंग ने कहा,''चीन एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ काम करने, नए युग में कानून और न्यायिक प्रशासन के क्षेत्र में लगातार संपर्क और सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है।

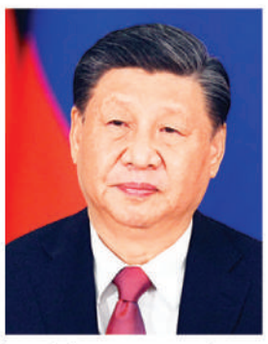

एससीओ के न्याय मंत्रियों की 10वीं बैठक मंगलवार को शंघाई में शुरू हुई। उल्लेखनीय है कि एससीओ एक अंतरसरकारी संगठन है। मौजूदा समय में इस में चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। इसमें अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया जैसे चार पर्यवेक्षक देश भी हैं, जबकि आर्मेनिया, अजरबैजान, कंबोडिया, नेपाल, श्रीलंका और तुर्की संगठन के संवाद भागीदार हैं।

आसियान में चीनी मानचित्र का उठ सकता है मुद्दा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंडोनेशिया में इसी सप्ताह होने वाले भारत आसियान शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में चीन द्वारा हाल ही में जारी उसके कथित मानक मानचित्र के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाए जाने की संभावना है जिसमें फिलीपीन्स, ताईवान, विएतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया एवं भारत की संप्रभुता एवं प्रादेशिक अखंडता का उल्लंघन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दोनों शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए दो दिन की इंडोनेशिया यात्रा का विवरण देते हुए विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) सौरभ कुमार ने यह संकेत दिया।

श्री कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा बहुत ही संक्षिप्त होगी और आसियान के मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया ने भारत के प्रधानमंत्री के जल्दी लौटने में सहूलियत के लिए दोनों शिखर सम्मेलनों के समय को समायोजित किया है। उन्होंने कहा कि भारत एवं आसियान के बीच रणनीतिक साझीदारी की घोषणा के बाद यह पहला भारत आसियान शिखर सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि चूंकि जी-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी के लिए श्री मोदी को जल्दी लौटना होगा इसलिए वह नयी दिल्ली से बुधवार छह सितंबर को देर रात रवाना होंगे और सुबह जकार्ता पहुंचेंगे।

चंद्रयान-3 : इसरो ने जारी की रोवर द्वारा ली गई लैंडर की 3डी तस्वीरें

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार शाम को तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 में प्रज्ञान रोवर द्वारा चंद्रमा की सतह पर ले जाए गए विक्रम लैंडर की 3डी तस्वीरे जारी कीं। यह तस्वीरे 30 अगस्त को ली गई थी। एक अपडेट में इसरो ने पोस्ट किया, ''चंद्रयान -3 मिशनः एनाग्लिफ़ स्टीरियो या मल्टी-व्यू तस्वीरें तीन आयामों (डायमेंसन) में वस्तु या इलाके का एक सरल दृश्य है। इसमें कहा गया है कि यहां प्रस्तुत 'एनाग्लिफ़ नवकैम स्टीरियो इमेज' का उपयोग करके बनाया गया है, जिसमें प्रज्ञान रोवर पर ली गई बायीं और दायीं दोनों छवि शामिल है। इस 3-चैनल छवि में, बाई छवि लाल चैनल में स्थित है, जबकि दाहिनी छवि नीले और हरे चैनल (सियान बनाते हुए) में रखी गई है। इन दोनों छवियों के बीच परिप्रेक्ष्य में अंतर के परिणामस्वरूप स्टीरियो प्रभाव होता है, जो तीन आयामों का दृश्य प्रभाव देता है। 3डी में देखने के लिए लाल और सियान चश्मे की अनुशंसा की जाती है। नवकैम को लीयोज /इसरो द्वारा विकसित किया गया है डेटा प्रोसेसिंग एसएसी/इसरो द्वारा किया जाता है। फिलहाल लैंडर और रोवर दोनों स्लीप मोड में हैं तथा 22 सितंबर के आसपास उनके जागने की प्रतीक्षा है।

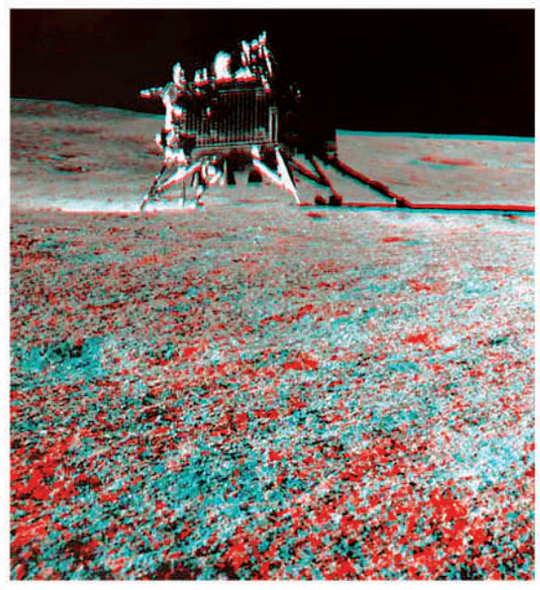

संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया जाए: कविता

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना मे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद (एमएलसी) सदस्य के. कविता ने मंगलवार को सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों से 18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित करने की अपील की। तेलंगाना मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने संसद में प्रतिनिधित्व करने वाली सभी 47 राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को संबोधित करते हुए अपने पत्र में लिखा कि उन्हें अपने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने को प्राथमिकता देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है और लैंगिक समानता एवं समावेशी शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होने के बावजूद यह विधेयक लंबे समय से अधर में लटका हुआ है। निजामाबाद की पूर्व सांसद कविता ने महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और विधायी निकायों में उनके प्रतिनिधित्व की आवश्यकता को रेखांकित किया।

वन नेशन- वन इलेक्शन पर पर होनी चाहिए चर्चा : उपराष्ट्रपति धनखड़

कोटा, (ब्यूरो)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि वन नेशन-वन इलेक्शन'पर सहमत होना न होना आपका विवेक है लेकिन इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिये। श्री धनखड़ मंगलवार को कोटा में विभिन्न संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने संसद में व्यवधानों को अनुचित बताते हुए कहा कि देश की सबसे बड़ी पंचायत संवाद और विचार-विमर्श का मंच होनी चाहिए ना कि शोर-शराबे और हंगामे का। उन्होंने कहा एक मुद्दा आया वन नेशन- वन इलेक्शन का, कह रहे हैं, हम चर्चा ही नहीं करेंगे। चर्चा करना आपका काम है, उससे सहमत होना या ना होना आपका विवेक है। श्री धनखड़ ने कहा कि लोकतंत्र में चर्चा नहीं होगी तो वह लोकतंत्र कहां है। लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए आवश्यक है कि चर्चा और विमर्श हो।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' एजेंडे का किया सीएम पिनाराई विजयन ने किया विरोध

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने देश में'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रणाली लाने के कदमों का विरोध करते हुए अपनी चिंता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने एक संदेश में आरोप लगाया कि यह केंद्र को निर्बाध शक्ति प्रदान करने के घृणित एजेंडे का हिस्सा है और उन्होंने देश में लोकतांत्रिक ताकतों से इसका कड़ा विरोध करने का आह्वान किया। विजयन ने कहा कि अब भारत और उसके संसदीय लोकतंत्र के विचार पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। संघ परिवार द्वारा उठाया जा रहा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नारा इस खतरे को और बढ़ा देता है। यह देश की संघीय व्यवस्था को गिराकर केंद्र को अप्रतिबंधित शक्ति प्रदान करने के संघ परिवार के छिपे हुए एजेंडे को उजागर करता है।

हरियाणा की मेजबानी, व्यंजनों के मुरीद हुए जी-20 के मेहमान

नूंह, (एजेंसी)। हरियाणा में नूंह जिले में स्थित आईटीसी ग्रैंड भारत होटल में चल रहे जी-20 सम्मेलन की चौथी शेरपा बैठक में विदेशी मेहमान मिलेट्स यानि श्रीअन्न के मुरीद हो गये। यही नहीं सम्मेलन की बैठक के बाद सांध्यकालीन समय में मेहमानों के लिये सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद जब रात्रि भोजन का वक्त हुआ तो मेहमानों ने बाजरे से बना खीचड़ा, रोटी, राबड़ी, टिक्की, फिरनी, लापसी सहित विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद चखा जो उनके लिये एक अनूठा की अनुभव था।

छह राज्यों में सात सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण हुए, 8 को आएंगे परिणाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, त्रिपुरा, केरल और उत्तराखंड के सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के तहत मंगलवार को मतदान हुए। बूथ केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। कई विधानसभा सीटों पर सुबह मतदान की प्रक्रिया धीमी रही। हालांकि धीरे-धीरे वोटिंग रफ्तार तेज हो गई। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे विपक्षी दलों के महागठबंधन इंडिया के लिए यह उपचुनाव बड़ी परीक्षा है।

6 राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के तहत मतदान प्रक्रिया शाम पांच बजते ही संपन्न हो गई। सात सीटों में उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट, झारखंड की डुमरी, त्रिपुरा की धनपुर व बॉक्सनगर, उत्तराखंड की बागेश्वर विधानसभा सीट, पश्चिम बंगाल के धूपगुड़ी और केरल की पुथुपल्ली विधानसभा सीट शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद 8 सितंबर को मतगणना की जाएगी।

हैदराबाद में भारी बारिश, जलभराव

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदरबाद में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन हुई भारी बारिश के कारण कई कॉलोनियों में पानी भर गया। राज्य के कई अन्य जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिससे हैदराबाद समेत कई इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य सरकार ने भारी बारिश से हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल, विकाराबाद और राज्य के अन्य जिलों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों के लिए मंगलवार को एक दिन की छुट्टी की घोषणा की।

Filmi तड़का

शाहरुख ने की तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा

तिरुमाला।

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान अपनी फिल्म 'जवान' की स्क्रीनिंग से पहले आन्ध्र प्रदेश के तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की मंगलवार को सुप्रभात सेवा के दौरान अपने परिवार के सदस्यों के साथ पूजा-अर्चना की। शाहरुख परिवार का मंदिर के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर, तिरुमाला-तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दर्शन के बाद, वैदिक पंडितों ने उन्हें वैदिक भजनों के साथ आशीर्वाद दिया और मंदिर के अधिकारियों ने भगवान के तीर्थ प्रसादम दिया। शाहरुख खान ने अपनी पत्नी गौरी खान, पुत्री सुहाना खान और अभिनेत्री नयनतारा के साथ तिरुमाला मंदिर का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि सात सितंबर को सिनेमाघरों में शाहरुख फिल्म 'जवान' स्क्रीनिंग के लिए तैयार है। बैंगलुरु के टॉकीज में सुबह पांच बजे पहला शो से फिल्म का आगाज होगा।

रणबीर ने न्यूयॉर्क ट्रिप में बहन पर लुटाया प्यार

नई दिल्ली। कभी-कभी काम से छुट्टी लेकर फैमिली के साथ टाइम बिताना भी जरूरी हो जाता है। ऐसे ही एक वेकेशन ट्रिप पर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर इस वक्त अपनी बेटी राहा के साथ न्यूयॉर्क में हैं। इस ट्रिप को रणबीर कपूर की कजन सिस्टर करिश्मा कपूर ने भी जॉइन किया। इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। इन फोटोज को करिश्मा कपूर ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। फोटो में रणबीर, आलिया और करिश्मा न्यूयॉर्क की सड़कों पर एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। रणबीर करिश्मा के माथे पर किस करते दिख रहे हैं। वहीं आलिया भट्ट फोटो के लिए पोज देते हुए अपनी मिलियन डॉलर स्माइल से लोगों का दिल लुभा रही हैं।

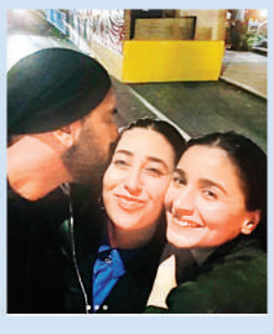

किश्तवाड़ में आतंकवादी ठिकाने का सुरक्षा बलों ने किया भंडाफोड़

जम्मू, (एजेंसी)। केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों ने मंगलवार को हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी के ठिकाने का भंडाफोड़ किया।

किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खलील पोसवाल ने कहा कि पुलिस ने सेना और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ मिलकर हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी जहांगीर सरूरी के ठिकाने को ध्वस्त कर दिया है।

उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी ठिकाने से दो कंबल, खाद्य वस्तुएं और निजी उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं, जो ठिकाने में आतंकवादी की मौजूदगी का संकेत देती हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने बताया कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन हमारे नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, और यह ऑपरेशन क्षेत्र से आतंकवाद के खात्मे करने के हमारे चल रहे प्रयासों के लिए एक शानदार सफलता है।

इन खिलाड़ियों पर रहेगा वर्ल्डकप जीताने का दारोमदार

कोलंबो,(एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल ने पूरी तरह फिट होकर भारत की विश्व कप टीम में जगह बना ली, जबकि संजू सैमसन और तिलक वर्मा को 15 सदस्यीय स्क्वाड से बाहर रहना पड़ा।

राहुल को भारत की 17 सदस्यीय एशिया कप टीम में भी शामिल किया गया था लेकिन वह ग्रोइन की चोट के कारण शुरुआती दो मैचों में हिस्सा नहीं ले सके। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राहुल ने टीम चयन से पहले सोमवार को बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी फिटनेस साबित कर दी थी। वह एशिया कप के बचे हुए मैचों में हिस्सा लेने के लिए श्रीलंका पहुंच गए हैं। राहुल की जगह टीम प्रबंधन ने एशिया कप में ईशान किशन को आजमाया और उन्होंने पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन की नायाब पारी खेलकर अपने चयन को सही साबित किया। राहुल और किशन की उपस्थिति ने स्वतः ही सैमसन की विश्व कप खेलने की संभावनाओं को समाप्त कर दिया। युवा प्रतिभावान बल्लेबाज तिलक भी मध्यक्रम में कारगर साबित हो सकते थे लेकिन टीम प्रबंधन ने सूर्यकुमार यादव के अनुभव पर निर्भर रहना बेहतर समझा। एशिया कप के लिए चुने गए प्रसिद्ध कृष्णा को भी 15 खिलाड़ियों की स्क्वाड में जगह नहीं मिली, हालांकि चोट के कारण लंबी छुट्टी के बाद वापसी करने वाले श्रेयस अय्यर विश्व कप टीम में बने हुए हैं। भारत की कोर टीम में विराट कोहली, शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जाडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। गौरतलब है कि भारत ने आखिरी बार 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में विश्व कप जीता था।

विश्वकप के लिए भारतीय स्क्वाड

बल्लेबाज : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव।
विकेटकीपर : ईशान किशन, केएल राहुल।
ऑलराउंडर : हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल।
तेज गेंदबाज : शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।
स्पिनर : कुलदीप यादव।

बीसीसीआई ने आगामी वनडे विश्वकप के लिए की 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा, बदलाव की गुंजाइश 28 सितंबर तक

वनडे प्रारूप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

रोहित शर्मा (कप्तान)	मैच	रन	शतक	अर्धशतक
	246	9922	30	49

सर्वश्रेष्ठ 264

शुभमन गिल
- मैच 29
- रन 1514
- सर्वश्रेष्ठ 208
- शतक 04
- अर्धशतक 07

विराट कोहली
- मैच 277
- रन 12902
- सर्वश्रेष्ठ 183
- शतक 46
- अर्धशतक 65

श्रेयस अय्यर
- मैच 44
- रन 1645
- सर्वश्रेष्ठ 113 *
- शतक 02
- अर्धशतक 14

ईशान किशन
- मैच 19
- रन 776
- सर्वश्रेष्ठ 210
- शतक 01
- अर्धशतक 07

केएल राहुल
- मैच 54
- रन 1986
- सर्वश्रेष्ठ 112
- शतक 05
- अर्धशतक 13

हार्दिक पंड्या
- मैच 79
- रन 1753
- शतक 00
- अर्धशतक 11
- विकेट 74

सूर्यकुमार यादव
- मैच 26
- रन 511
- सर्वश्रेष्ठ 64
- शतक 00
- अर्धशतक 02

रवींद्र जडेजा
- मैच 179
- रन 2574
- शतक 00
- अर्धशतक 13
- विकेट 197

अक्षर पटेल
- मैच 52
- रन 413
- शतक 00
- अर्धशतक 02
- विकेट 58

शार्दुल ठाकुर
- मैच 40
- रन 318
- शतक 00
- अर्धशतक 01
- विकेट 59

जसप्रीत बुमराह
- मैच 73
- विकेट 121
- सर्वश्रेष्ठ 6/19
- इकोनॉमी 4.63
- 4-5 विकेट 5/2

मोहम्मद शमी
- मैच 91
- विकेट 163
- सर्वश्रेष्ठ 5/69
- इकोनॉमी 5.69
- 4-5 विकेट 9/1

मोहम्मद सिराज
- मैच 26
- विकेट 46
- सर्वश्रेष्ठ 4/32
- इकोनॉमी 4.86
- 4-5 विकेट 2/0

कुलदीप यादव
- मैच 86
- विकेट 141
- सर्वश्रेष्ठ 6/25
- इकोनॉमी 5.14
- 4-5 विकेट 6/1

अभी भी कर सकते हैं टीम में बदलाव

भारत समेत बाकी सभी 10 देशों की टीमों में बदलाव की गुंजाइश अब भी है। यदि कोई देश अपनी घोषित टीम में बदलाव करना चाहता है, तो वो 28 सितंबर तक बगैर आईसीसी की इजाजत के बदलाव कर सकता है।

सहवाग ने बीसीसीआई से की जर्सी पर इंडिया की बजाय भारत लिखने की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने बीसीसीआई से वर्ल्ड कप में भारत की जर्सी पर इंडिया की बजाय भारत लिखने की मांग की।

वीरेंद्र सहवाग ने अपनी पोस्ट को बीसीसीआई और सचिव जय शाह को टैग करते हुए लिखा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि नाम ऐसा होना चाहिए जो हममें गर्व पैदा करेगा। हम भारतीय हैं। इंडिया नाम अंग्रेजों का दिया हुआ है और हमारे मूल नाम भारत को पाने में आधिकारिक तौर पर वापस पाने में लंबा समय लग गया है।

प्रेस कॉन्फ्रेन्स के दौरान भड़के रोहित शर्मा

चीफ सिलेक्टर अजीत अगारकर ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम का ऐलान किया। प्रेस कॉन्फ्रेन्स में जब रोहित शर्मा से टीम इंडिया से उम्मीदों और बाहर के माहौल को लेकर सवाल किया गया, तो इस पर वो भड़क उठे। रोहित जबाव देते हुए बोले, देखिए मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ ज्यादा फर्क भी पड़ता है और मेरे को अभी वर्ल्ड कप में भी ये सब सवाल मत पूछना, जब उस समय हम प्रेस कॉन्फ्रेन्स करेंगे ना इंडिया में... कि ये माहौल हो रहा है, ये हो रहा है, क्योंकि उसका जवाब मैं नहीं दूंगा अभी। क्योंकि इसका मतलब नहीं है कि इस बारे में बात की जाए, क्योंकि हमारा फोकस कुछ और है, और एक टीम के तौर पर उसी चीज पर फोकस करेंगे।

इन खिलाड़ियों का टूटा सपना

भारत के युवा तिलक वर्मा व प्रसद्धि कृष्णा और संजू सैमसन और अनुभवी भवनेश्वर कुमार व शिखर धवन का वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खेलने का सपना टूट गया। कुलदीप यादव युजवेंद्र चहल पर भारी पड़े हैं। वहीं एशिया कप में ट्रैवल रिजर्व के तौर पर शामिल संजू सैमसन भी इस लिस्ट से बाहर हैं। तिलक वर्मा और प्रसद्धि कृष्णा भी वर्ल्ड कप के स्क्वॉड से बाहर रखे गए हैं। केएल राहुल के चयन पर पहले भी सवाल उठे हैं, वर्ल्ड कप में उनके चयन पर आगे भी सवाल उठ सकते हैं। वहीं शिखर धवन को टीम में शामिल न करना चयनकर्ताओं की बड़ी गलती साबित हो सकती है। भारत दस साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट में धवन के बिना उतरेगा। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2013, वनडे वर्ल्डकप 2015 और चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में भारत के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वहीं धवन वनडे वर्ल्ड कप 2019 में एक शतक जड़ने के बाद चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

आईसीसी टूर्नामेंट में धवन का प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी 2013: 363 रन (सर्वाधिक)
वनडे वर्ल्डकप 2015: 412 रन (सर्वाधिक)
चैंपियंस ट्रॉफी 2017: 338 रन (सर्वाधिक)
वनडे वर्ल्डकप 2019: एक शतक (रूल आउट)

श्रीलंका की सुपर-4 में एंट्री

अफगानिस्तान को दो रन से हराया

लाहौर,(एजेंसी)। श्रीलंका ने मंगलवार को एशिया कप 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्जकर सुपर-4 में एंट्री कर ली है। वहीं, अफगानिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सुपर-4 की टीमें
ग्रुप-एः भारत, पाकिस्तान
ग्रुप-बीः श्रीलंका, अफगानिस्तान

श्रीलंका ने 292 रन का लक्ष्य, जिसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 38.4 ओवर में 289 रन पर ढेर हो गई। अफगानिस्तान को अगले चरण में प्रवेश करन के लिए 37.1 ओवर में टारगेट चेज करना था। एक समय अफगानिस्तान ऐसा करते हुए भी नजर आ रहा था लेकिन फिर अरमानों पर पानी फिर गया। अफगानिस्तान के लिए सर्वाधिक रन मोहम्मद नबी ने 65 रन की तूफानी पारी खेली। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 59 रन व रहमत शाह ने 45 जबकि गुलबदीन नायब और करीम जनत ने 22-22 रन जुटाए। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने 84 गेंदों में सर्वाधिक 92 रन की पारी खेली। उन्होंने पथुम निसांका (41) के साथ पहले विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की।

स्कोर बोर्ड

श्रीलंका	रन	गेंद	4/6
पथुम निसंका कै. नजीबउल्लाह बो. नईब	41	40	6/0
दिमुथ करुणारत्ने कै. नबी बो. नईब	32	35	6/0
कुसल मेंडिस रन आउट (राशिद)	92	84	6/3
सदीरा समरविक्रमा कै. गुरबाज बो. नईब	03	08	0/0
चरिथ असलंका पगबाधा राशिद	36	43	2/1
धनंजय डीसिल्वा बो. मुजीब	14	19	1/0
दसुन शानका बो. राशिद	05	08	1/0
दुनिथ वेल्लालगे नाबाद	33	39	3/1
महीश थीक्षणा बो. नईब	28	24	2/1

अतिरिक्त: 07, कुल: 50 ओवर में आठ विकेट पर 291 रन, विकेट पतन: 1-63, 2-80, 3-86, 4-188, 5-221, 6-226, 7-227, 8-291 गेंदबाजी: फजलहक फारूकी 7-1-52-0, मुजीब उर रहमान 10-0-60-1, गुलबदीन नईब 10-0 60- 4, मोहम्मद नबी 10-0-35-0, राशिद खान 10-0-63-2, करीम जनत 3-0-20-0.

अफगानिस्तान	रन	गेंद	4/6
रहमानउल्लाह गुरबाज कै. मेंडिस बो. रजिता	04	08	1/0
इब्राहिम जदरान बो. रजिता	07	14	1/0
गुलबदीन नईब पगबाधा पथिराना	22	16	4/0
रहमत शाह कै. पथिराना बो. रजिता	45	40	5/1
शहीदी कै. रजिता बो.वेल्लालगे	59	66	3/1
मोहम्मद नबी कै. धनंजय बो. थीक्षणा	65	32	6/5
करीम जनत कै. करुणारत्ने बो. वेल्लालगे	22	13	1/2
नजीबउल्लाह जदरान कै. हेमंता बो. रजिता	23	15	1/2
राशिद खान नाबाद	27	16	4/1
मुजीब उर रहमान कै. सदीरा बो. धनंजय	00	03	0/0
फजलहक फारुकी पगबाधा धनंजय	00	03	0/0

अतिरिक्त: 15, कुल: 37.4 ओवर में 289 रन पर ऑल आउट विकेट पतन: 1-10, 2-27, 3-50, 4-121, 5-201, 6-234, 7-237, 8-276, 9-289, 10-289, गेंदबाजी: कसुन रजिता 10-0-79-4, महीश थीक्षणा 10-0-62-1, दुनिथ वेल्लालगे 4-0-36-2, मथीशा पथिराना 10-0-63-1, दसुन शानका 2-0-32-0, धनंजय डीसिल्वा 1.4-0-12-2.

विश्वकप के बाद वनडे से संन्यास लेंगे डिकॉक

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक भारत में आगामी 50 ओवर के विश्वकप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास लेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने यह जानकारी दी। डिकॉक दक्षिण अफ्रीका के लिए 140 वनडे और 80 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं जिसमें उन्होंने क्रमशः 5966 और 2277 रन बनाए हैं। आईसीसी ने टवीट् करते हुए लिखा, क्विंटन डिकॉक ने भारत में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के समाप्त होने के बाद वनडे क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर दी है। डिकॉड का संन्यास का फैसला क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के भारत में पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा के बाद आया है जिसकी अगुआई तेम्बा बावुमा करेंगे। दिसंबर 2021 में डिकॉक ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था।

टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में छठे स्थान पर रहीं भारतीय महिला टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम मंगलवार को यहां एशियाई टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में थाईलैंड से मिली 0-3 की हार के बाद छठे स्थान पर रही। वही भारतीय पुरुष टीम पहले ही कांस्य पदक पक्का कर चुकी है जो बुधवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगी। भारतीय महिला टीम ने पांचवें से आठवें स्थान के मैच में सिंगापुर को 3-2 से हराया लेकिन वह पांचवें स्थान के मुकाबले में थाईलैंड से हार गयी।

हिमा दास बारह महीने में तीसरी बार निलंबित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत की 23 वर्षीय स्टार फर्राटा धाविका हिमा दास को पिछले बारह महीने में तीन बार रहने के स्थान के नियम के उल्लंघन के कारण राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया।

असम की हिमा चोट के कारण हांगझोउ एशियाई खेलों की टीम में नहीं है। भारतीय टीम के एक अधिकारी ने कहा, पिछले एक साल में तीन बार उसने रहने के स्थान संबंधी नियम का उल्लंघन किया है। यही वजह है कि उसे नाडा ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया। उसे दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है जो घटाकर एक साल का किया जा सकता है। हिमा ने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। वह स्वर्ण जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर महिला टीम और रजत जीतने वाली मिश्रित रिले टीम की भी सदस्य थी।

राहुल फिट है, उसकी मौजूदगी से टीम को बेहतर संतुलन मिलता है: अगरकर

पांच सितंबर मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर ने केएल राहुल को लेकर बनी अनिश्चितता को दूर करते हुए मंगलवार को कहा कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने फिटनेस के सभी मापदंड हासिल कर लिए हैं और उनकी मौजूदगी से भारत की विश्वकप टीम को सर्वश्रेष्ठ संतुलन मिलता है। राहुल ने भारत की तरफ से अंतिम मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मार्च में चेन्नई में वनडे के रूप में खेला था। अगरकर ने राहुल की फिटनेस को लेकर संतोष जताया और कहा कि यह 31 वर्षीय खिलाड़ी उस मामूली चोट से उबर गया है जिसके कारण वह एशिया कप के शुरूआती मैचों में नहीं खेल पाया था। अगरकर ने कप्तान रोहित शर्मा की उपस्थिति में विश्वकप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम घोषित करते हुए कहा, केएल (राहुल) फिट है। हमारा मानना है कि उसकी मौजूदगी से हमें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छा संतुलन मिलता है। केएल बेंगलुरु में शिविर का हिस्सा था और वह बहुत अच्छी स्थिति में दिख रहा था। वह चोट से पूरी तरह उबर गया है। उन्होंने कहा, उसने (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी- एनसीए में) पिछले दो दिनों में दो मैच खेले। उसने 50 ओवर तक विकेटकीपिंग की और लगभग 50 ओवर तक ही बल्लेबाजी की, इसलिए उसके टीम में होने से हम खुश हैं। इससे पहले राहुल को भारत की एशिया कप की टीम में शामिल किया गया था लेकिन नई चोट के कारण वह लीग चरण के मैचों में नहीं खेल पाए थे। इस बीच उन्होंने एनसीए में अपनी फिटनेस सुधारने पर ध्यान दिया। ईशान किशन को भी विश्वकप की टीम में चुना गया है और अगरकर ने कहा कि दो बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाजों के होने से टीम को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए अच्छा सरदर्द है। किशन ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह शीर्ष क्रम में अच्छा खेलता है। राहुल का वनडे में रिकॉर्ड बेहतरीन है। हमारे पास विकेटकीपर बल्लेबाज के दो बहुत अच्छे विकल्प हैं। किशन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे में अर्धशतक जड़ने के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मैच में 82 रन की शानदार पारी खेली थी। रोहित ने कहा कि टीम प्रबंधन राहुल और किशन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल करने की संभावनाओं पर निश्चित तौर पर विचार करेगा लेकिन यह फैसला विरोधी टीम, परिस्थितियों और फिटनेस स्तर को देखकर किया जाएगा। भारतीय कप्तान ने कहा, सभी तरह की संभावनाएं होंगी। प्रत्येक खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध रहेगा। खिलाड़ी का चयन फॉर्म और विरोधी टीम पर निर्भर करेगा। रन कैसे बनाने हैं यह इस पर भी निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, किशन ने एशिया कप के पहले मैच में शानदार पारी खेली। उसने विषम परिस्थितियों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए यह फिटनेस और परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

प्रणय, सेन और राजावत चाइना ओपन से बाहर

पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त

चांग्झू (एजेंसी)। विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय और राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। इसी के साथ पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई।

प्रणय को मलेशिया के एनजी त्जे योंग ने एक घंटे छह मिनट तक चले मैच में 12-21 21-13 18-21 से शिकस्त दी। राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा चैंपियन लक्ष्य सेन भी पहले दौर से आगे नहीं बढ़ पाए। उन्हें डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से एक घंटे 18 मिनट में 21-23 21-16 9-21 हार झेलनी पड़ी। इसके बाद प्रियांशु राजावत को इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्तावितो से 13-21, 24-26 से हार का सामना करना पड़ा।

यूएस ओपन

यानिक सिनर, डी मिनॉर और मैटियो अर्नाल्डी बाहर

ज्वेरेव, अल्काराज व मेदवेदेव क्वार्टरफाइनल में

न्यूयॉर्क,(एजेंसी)। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव, स्पेन के कार्लोस अल्काराज और रूस के डेनिल मेदवेदेव ने पुरुष एकल वर्ग में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अमेरिकी ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

ज्वेरेव ने और इटली के यानिक सिनर को चार घंटे 41 मिनट में 6-4, 3-6, 6-2, 4-6, 6-3 से मात दी। अगले दौर में ज्वेरेव का सामना स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज से होगा, जो इटली के मैटियो अर्नाल्डी को 6-3, 6-3, 6-4 से हराकर आ रहे हैं। आंद्रे अगासी के बाद ओपन एरा में अल्काराज 21 साल की उम्र में तीन बार अमेरिकी ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इस बीच, रूस के डेनिल मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनॉर को 2-6 6-4 6-1 6-2 से हराया। क्वार्टरफाइनल में मेदवेदेव अपने युवा हमवतन आंद्रे रूबलेव से भिड़ेंगे।

किनवेन पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में, सबालेंका भी जीतीं

आर्यना सबालेंका ने इगा स्वियातेक की जगह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर अपना स्थान सुनिश्चित करने के अमेरिकी ओपन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई सबालेंका ने 13वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसातकिना को 6-1, 6-3 से शिकस्त दी। दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका क्वॉर्टर फाइनल में चीन की 23वीं वरीयता प्राप्त झेंग किनवेन से भिड़ेगी जिन्होंने पिछले साल की उपविजेता जाबेउर को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया। विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा भी क्वॉर्टर फाइनल में पहुंच गई हैं जहां उनका मुकाबला मैडिसन कीज से होगा। कीज ने पेगुला को 6-1, 6-3 से जबकि वोंद्रोसोवा ने गैर वरीय अमेरिकी पेयटन स्टर्न्स को 6-7 (3), 6-3, 6-2 से हराया।

गांव की कहानी

डा. नीलकंठ देवांगन

बाणासुर की वरदानी भूमि है बानबरद

दुर्ग जिला के अहिवारा नगर पालिका क्षेत्र के गांव बानबरद का छत्तीसगढ़ में गौतीर्थ के रूप में खास पहचान है। यहां के प्राचीन चतुर्भुजी विष्णु मंदिर, पास का पवित्र कुंड और गतवा तालाब विशेष महत्व रखते हैं। द्वापर युग में एक बार पराक्रमी बाणासुर का श्री कृष्ण के साथ युद्ध हुआ। उनके बाणों से कृष्ण की कई गायें मर गईं, कई घायल हुईं, कई खुरहा रोग से ग्रसित हो गईं। लड़ाई तो वह जीत नहीं सका, उल्टा उस पर गौ हत्या का पाप चढ़ गया। वह शिवजी का भक्त था। तपस्या से शिवजी को प्रसन्न कर पाप मुक्ति का उपाय पूछा। शिवजी द्वारा बताए निर्दिष्ट स्थान पर जमीन खोद चतुर्भुज श्री विष्णु की प्रतिमा को निकाल भावना के साथ पूजन किया। पास के कुंड में स्नान कर दान पुण्य किया और गौ हत्या के पाप से मुक्त हुआ। तब से गौ हत्या के पाप से मुक्ति के लिए लोग यहां आते हैं। बाणासुर ने तब इसे अपने मुताबिक बसाया और राजधानी बनाया। यह बाणासुर की वरदानी भूमि बानबरद कहलाया। यहां खुदाई से प्राचीन अवशेष के साथ कई सोने के सिक्के मिले हैं। महाशिरात्रि के अवसर विशेष मेले का आयोजन यहां होता है जिसमें दूर-दूर से लोग यहां आते हैं।

पुस्तक समीक्षा

छत्तीसगढ़ का लोकजीवन और रामकथा

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ का लोकजीवन और रामकथा

कृतिकार
डा. पीसी लाल यादव

समीक्षक
आशु प्रकाशन रायपुर

प्रकाशक
गौरव प्रकाशन,रायपुर

कीमत
चार सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने वाली कृति 'छत्तीसगढ़ का लोकजीवन और रामकथा' में राम की महिमा का विस्तार से वर्णन किया गया है। कृतिकार ने अपनी कृति में लोक खेल में राम कथा, लोक जीवन में राम, लोकगीतों में राम, नाचा में राम कथा, जनौला में राम कथा, लोक कथा में राम, विवाह गीतों में राम, रामधुनी में राम, बसदेवा गीत में राम कथा, रामकथा का चित्रांकन और भित्ति चित्र और छत्तीसगढ़ का भांचा राम जैसे अनेक शीर्षकों में भगवान राम की महिमा का बखान किया है। वास्तव में समूचा छत्तीसगढ़ ही राममय है जिसे पुस्तक के माध्यम से प्रमाणिक रूप से पाठकों को जानने और समझने का अच्छा माध्यम साबित हुआ है, इसके साथ ही शोधकर्ताओं के लिए भी महत्वपूर्ण जानकारी इस पुस्तक के माध्यम से प्राप्त होगी।

वैज्ञानिकों के अनुसार सरगुजा क्षेत्र की जनजातियां मुख्यतः तीन प्रजातियों- एस्ट्रोलाइड, मेसोसीफल और मुंडारी से संबधित रही है। जैसे- निषाद, साबर, मुंडा आदि, जिन्हें आर्य लोग दस्यु के नाम से पुकारते थे। यह संभव है कि यहां की आदिम जातियों का आर्य जातियों से संबंध रहा हो तथा आर्यो के दबाव में यह दुर्गम वन क्षेत्रों में पलायन कर गए हों।

सरगुजा अंचल की जनजाति और बोलियां

लोक साहित्य

डा. सुधीर पाठक

सरगुजा समूह की रियासतों (सरगुजा, चांदभखार, कोरिया, जशपुर और उदयपुर अर्थात धर्मजयगढ़ तहसील) में जनजातियों की बहुलता है। इस क्षेत्र में प्राप्त प्रागैतिहासिक तथा पुरातात्विक अवशेष भी इसी ओर संकेत करते हैं, कि प्रागैतिहासिक काल से यहां अनेक जनजातियों का निवास था। मानव वैज्ञानिकों के अनुसार इस क्षेत्र की जनजातियां मुख्यतः तीन प्रजातियों-एस्ट्रोलाइड, मेसोसीफल और मुंडारी से संबधित रही है। जैसे- निषाद, साबर, मुंडा आदि, जिन्हें आर्य लोग दस्यु के नाम से पुकारते थे। यह संभव है कि यहां की आदिम जातियों का आर्य जातियों से संबंध रहा हो तथा आर्यो के दबाव में यह दुर्गम वन क्षेत्रों में पलायन कर गए हों। भाषा वैज्ञानिक दृष्टि से इस क्षेत्र की जनजातियों को तीन भाषा समूहों में बांटा जा सकता है। मुंडारियन समूह के अंतर्गत कौल या मुंडा, कोरवा, खरिया, बिंजहोर तथा खेरवार जनजातियां। द्रविड़ समूह के अंतर्गत गौंड, ऊंराव, परजा तथा खोड़ जनजातियां। आर्यन समूह के अंतर्गत बैगा, कमार, कंवर, साबर और प्रधान जनजातियां।

बड़ महत्ता हे सरगी नदिया के

आस्था : गौकरण मानिकपुरी

छत्तीसगढ़ राज्य के जिला गरियाबंद के कई ठिन महत्ता अउ चिन्हारी हे। गरियाबंद ले बुडती ले रक्सेल दिसा मा बोहावत सरगी नदिया के लंबई भले छोटकुन हे फेर वोकर महत्तम बहुतेच बड़का अउ जब्बर हे। ए सरगी नदिया गरियाबंद बारुका के कचना धुरवा मंदिर अउ बरदे खोल डोंगरी ले निकल के 60 किलोमीटर के दूरी पूरा करके जिला के आखिरी छोर अउ ओति महासमुंद जिला के आखिरी छोर मा सुक्खा नदिया महानदी अउ केशवा नदिया के संगम मा समा गेहे। जिहां सुक्खा लहरा लेके नहाय के अलगे महत्ता हे। लोगन मन इहां नहाके अपन आप ला बड़भागी अउ पबरीत मानथें। टुईयांमुडा पचपेडी नाला, जतमाई माता मंदिर के झरना, माता झरझरा डोंगरी, तरीघाट अउ सहसपुर के बीच मा आके सरगी मा मिले हे। वइसने आघू श्वेत गंगा सिर्री, पतोरा सेन्दर नाला होवत माडब्य आश्रम तीर गांव बोरसी करा मिले हे। सरगी के धार मा सात ठन धारमिक जगा, आश्रम के ठऊर ला छुथे। कतको गांव ल तारे के कारन येला सरगी नदिया के नाव ले जाने जाथे। भक्त मन के आस्था के जगा आय ऐ नदिया ह।

स्वादिष्ट व्यंजनों में करील

खानपान : गोविंद साव

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में करील की सब्जी को विशेष महत्व दिया जाता है। इसके साथ ही आजकल मैदानी इलाकों में करील के सब्जी का उपयोग किया जाता है। बरसात के मौसम में बांस की झाड़ियों में नई कोपलें जमीन से निकलती हैं जो काफी नरम और सफेद रंग की होती है, जिन्हें करील के नाम से जाना जाता है। इसे गोल टुकड़ों में या बारीक काटकर सामान्य सब्जियों की तरह ही पकाया जाता है। यह खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। करील की सब्जी को पेट की बीमारी के लिए (पथरी रोगियों) काफी लाभदायक मानी जाती है। बासी करील को खाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह काफी नुकसानदायक होता है। आजकल करील के लाभदायक होने की जानकारी लोगों को होने के कारण इसकी मांग बढ़ती जा रही है। बाजार में इस समय यह मंहगे दामों में बिकते हैं।

कला जगत : डा. माणिक विश्वकर्मा

देवारों की जीवन शैली को चित्रित करता देवार डेरा

देवार डेरा का मंचन एक समय में विशेष महत्व रखता रहा है। आज देवारों में जागरूकता, शिक्षा के प्रति लगाव तथा नए स्वरूपों में अपने को प्रस्तुत करने की ललक कहीं न कहीं देवार डेरा की प्रस्तुति का ही परिणाम कहा जा सकता है। एक समय में घोर आर्थिक अभावों से जूझते अपनी भूख के खिलाफ मर्मांतक संघर्ष को देखकर लगता था, जैसे-इन देवारों को नृत्य और संगीत का कौशल जैसे विरासत में मिला हो।

एक समय था, जब देवार रूंझू बजाकर गाता था-
दाई कहे मोर सुन ले दुलरवा, झन जाबे दिल्ली के घाट,
दिल्ली शहर के टूरी मोटियारी, जानत हे मोहनी बान,
तोला बना लेही बोकरा अउ भेड़ा, सुन ले लगा के कान।

देवार डेरा की प्रस्तुति के बाद से जन जागरण के प्रभाव ने इनकी जीवन शैली को बदल कर रख दिया। इस प्रस्तुति ने यह साबित कर दिया कला और संगीत में वह ताकत होती है जो समाज की दशा और दिशा दोनों में बदलाव लाने में समर्थ होती है। आज पहले जैसे देवारों की प्रस्तुति भले ही न होती हो, लेकिन पहले होने वाली इनकी कला की झलक को भुला पाना भी इतना आसान नहीं है।

सुरता

स्वराज करुण

भाषा विज्ञान के पर्याय थे डा. रमेशचन्द्र महरोत्रा

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में डा. रमेशचन्द्र महरोत्रा भाषा विज्ञान के रीडर के पद पर रहे और पदोन्नत होकर प्रोफेसर बने। अपने 35 वर्षों के सुदीर्घ प्राध्यापकीय जीवन के स्वर्णिम 28 वर्ष छत्तीसगढ़ को दिए। लगभग तीन दशकों के इस कालखंड में वह छत्तीसगढ़ में भाषा विज्ञान के पर्याय बन गए। डा. महरोत्रा की लगभग 50 पुस्तकें छपीं। इनमें से अधिकांश भाषा विज्ञान और हिन्दी व्याकरण से संबंधित हैं। अपने विद्यार्थियों के लिए वह भाषा विज्ञान और हिन्दी साहित्य के चलते-फिरते विशाल ज्ञानकोश थे।

सुप्रसिद्ध भाषा विज्ञानी और साहित्यकार डा. रमेशचन्द्र महरोत्रा का जन्म 17 अगस्त 1934 को मुरादाबाद (उत्तरप्रदेश)में और निधन 4 दिसम्बर 2014 को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में हुआ। डा. मेहरोत्रा ने आगरा विश्वविद्यालय से 1956 में हिन्दी और भाषा विज्ञान में एम.ए. किया। सागर विश्वविद्यालय (मध्यप्रदेश) से उन्हें 1963 में भाषा विज्ञान में पी.एच.डी. की उपाधि मिली। आगरा विश्वविद्यालय ने उन्हें वर्ष 1980 में भाषा विज्ञान में डी. लिट् की उपाधि दी और सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। डा. महरोत्रा ने 17 नवम्बर 1959 से 19 जुलाई 1966 तक सागर विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पद पर अपनी सेवाएं दी। इसके बाद वह पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में भाषा विज्ञान के रीडर के पद पर रहे और पदोन्नत होकर प्रोफेसर बने। अपने 35 वर्षों के सुदीर्घ प्राध्यापकीय जीवन के स्वर्णिम 28 वर्ष छत्तीसगढ़ को दिए। लगभग तीन दशकों के इस कालखंड में वह छत्तीसगढ़ में भाषा विज्ञान के पर्याय बन गए। डा. महरोत्रा की लगभग 50 पुस्तकें छपीं। इनमें से अधिकांश भाषा विज्ञान और हिन्दी व्याकरण से संबंधित हैं। अपने विद्यार्थियों के लिए वह भाषा विज्ञान और हिन्दी साहित्य के चलते-फिरते विशाल ज्ञानकोश थे। आपकी लिखी पुस्तकों में हिन्दी में अशुद्धियां, मानक छत्तीसगढ़ी का सुलभ व्याकरण, मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण और छह खण्डों में प्रकाशित 'मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग' भी शामिल हैं। इन पुस्तकों के अलावा उन्होंने 'हिन्दी का नवीनतम बीज व्याकरण' भी लिखा। डा .महरोत्रा ने 'छत्तीसगढ़ी-हिन्दी शब्दकोश' के लेखन और प्रकाशन में सम्पादन सहयोग दिया। डा. महरोत्रा ने छत्तीसगढ़ी मुहावरों और लोकोक्तियों का एक महत्वपूर्ण संकलन भी तैयार किया।

सूखे की मांग को लेकर आप ने ब्लाक जमालपुर पर प्रर्दशन कर सौंपा पत्रक

प्रखर मिजार्पुर। जनपद के विकास खण्ड-जमालपुर मुख्यालय पर आम आदमी पार्टी द्वारा जिले को सुखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर पत्रक सौंपा गया,जो एडीयो आईएसबी मुकेश शर्मा द्वारा ग्रहण किया गया।पत्रक में कहां गया कि इस वर्ष कम बरसात होने की वजह से जिले में सूखे की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है। जिस कारण से जिले के सारे जलाशय सूखे पड़े हैं।मीरजापुर जिला धान की खेती के लिए भी जाना-पहचाना जाता है जिसमें पानी की अत्यधिक आवश्यकता भी होती है।लेकिन बरसात कम होने की वजह से बहुत सारे किसान धान का बीज डालने से लेकर रोपाई हेतु खेतों की तैयारी में जुताई, मेड़बंदी आदि में हजारों हजार रूपए व्यय करने के बाद भी धान की रोपाई नहीं कर सकें तथा वहीं कुछ किसान अपने निजी संसाधनों के दम पर काफी धनराशि खर्च कर किसी तरह से धान की रोपाई तो

कर दिए,लेकिन बिजली की घोर कटौती के चलते अब उसको भी बचाना मुश्किल हो गया है।यानी कुल मिलाकर सभी किसान चाहें धान की रोपाई किये हो या न किये हो धान की खेती के लिए काफी धनराशि व्यय कर चुके हैं।अब अगले फसल की खेती करने के लिए किसानों के पास कुछ बचा भी नहीं है।खेतों में खड़ी धान की फसल को बचाने के लिए किसानो द्वारा अपने घर परिवार के सालाना खर्चे हेतु रखें गये धनराशि को भी खर्च कर दिया जा रहा है।इसलिए आम आदमी पार्टी, जमालपुर, मीरजापुर मांग करता है कि तत्काल संपूर्ण जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर प्रर्याप्त राहत पैकेज की घोषणा कर किसानों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता दिये जाने की मांग किया गया। पत्रक सौंपने वालों में आम आदमी पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष संदीप कुमार पटेल सहित अजीत कुमार सिंह, मु० सलीम सूफी, नरेंद्र शर्मा, विजयी सिंह, चितरंजन सिंह, नीरज कुमार, सर्वेश कुमार, संजय, जोगीश, आनंद कुमार आजाद, चौधरी रमेश सिंह, कैलाश, विजेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

पूर्व किसान नेताओं ने दिव्या मित्तल को किया सम्मानित

प्रखर मिजार्पुर। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष कंचन सिंह फौजी के नेतृत्व में किसान नेताओं का एक दल प्रहलाद सिंह प्रदेश महासचिव, सुखनंदन दुबे जिला उपाध्यक्ष, मंडल कार्यकारिणी सदस्य परशुराम मौर्य, स्वामी दयाल सिंह जिला कोषाध्यक्ष, पूर्वांचल सदस्य राम सिंगार सिंह के जिले की निवर्तमान जिलाधिकारी दिव्या मित्तल का उनके आवास पर पहुंच कर पुष्प गुच्छ, हरपौधा व चुनरी भेंट कर सम्मानित किया गया, दिव्या मित्तल मिजार्पुर के जिलाधिकारी का पद संभालने के बाद ताबड़तोड़ जनपद की समस्याओं को संज्ञान लिया प्रमुख रूप से किसानो की समस्याओं को संज्ञान में लेकर लगातार काम करती रहीं चाहे वह सिंचाई की समस्या हो जिस पर उन्होंने अधिकारियों संग बैठक कर किसानों को तत्काल बांधों से व पंप कैनाल का सर्वे कर, किसानों के खेत मे पानी पहुंचाने का काम किया व अहरौरा के टोल के संदर्भ में भी जनपद के यूपी 63 नम्बर की गाड़ियों को फ्री जाने का निर्देश जारी किया था इस तरह उनका जनपद में कम समय के लिए रहना और तत्काल स्थानांतरण का आदेश जनपद वासियों के लिए बड़ा दुर्भाग्य का विषय है।

होगा क्षत्रिय महापंचायत का आयोजन अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने करंडा की धरती से फूंका बिगुल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर ब्लॉक करंडा की पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की एक बैठक ग्राम सभा दीनापुर में संपन्न हुई बैठक में संगठन के विस्तार कार्यकताओं की समस्या एवं आने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई और इस बैठक में सभी ने अपनी अपनी समस्याओं और अपने-अपने विषय वस्तु को रखा। जिस पर सभी लोगों ने सर्वसम्मति से विचार किया की बहुत जल्द ही एक जबर्दस्त कार्यक्रम कराया जाए इस पर युवा जिला अध्यक्ष ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमेशा से ही करंडा ब्लॉक के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी जुझारू एवं संघर्षील रहे हैं। और हर एक कार्यक्रम को बड़े

ही लगन और मेहनत से करते रहे हैं अब वक्त आ गया है की करंडा की धरती पर एक कार्यक्रम केसरिया क्षत्रिय महापंचायत के नाम से कराया जाए और यह कार्यक्रम करंडा की धरती पर एक एतिहासिक कार्यक्रम होगा जिस पर सर्वसम्मति से सभी ने अपनी हामी भरी और कहा कि अक्टूबर में यह कार्यक्रम कराया जाएगा और इसकी पूरी रूपरेखा भी तय कर दी गई बहुत ही जल्द तरीखो का ऐलान भी कर दिया जाएगा। घर घर जाकर निमंत्रण कार्ड का वितरण किया जाएगा और कार्यक्रम को भव्य बनाया जाएगा। इस मौके पर करंडा के अध्यक्ष अभय सिंह मन्नी, हैप्पी सिंह, जिला संगठन मंत्री युवराज सिंह, छोटू सिंह, दिव्यांग सिंह, अरविंद सिंह, रिंकू सिंह राजपूत, अमित सिंह, जिला उपाध्यक्ष अभिजीत सिंह गुरु, पवन सिंह, सुजीत सिंह, निपुंजय सिंह, गप्पू सिंह के साथ-साथ भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती से जनमानस बेहाल : रामचन्द्र सिंह

प्रखर कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में बिजली की अघोषित कटौती से जनमानस बेहाल और परेशान है। इस उमस भरे मौसम में लोगों का ठीक से जीना मुश्किल हो गया है। पूरे जनपद में अघोषित बिजली कटौती को लेकर त्राही माँम त्राही माँम मचा हुआ है और जगह जगह से शिकायत प्राप्त हो रहे है। एक तरफ तो उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया परम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी का दावा है कि, प्रदेश में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के सपने को सुनिश्चित कर रही है उत्तर प्रदेश सरकार, जनपद मुख्यालयों पर 20-22 घंटे, ग्रामीण क्षेत्र में 18-19 घंटे मगर ठीक इसके विपरीत बिजली की अघोषित कटौती से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की जनता में आक्रोश देखने को मिल रहा है। जब सरकार का आदेश है कि, पूरे प्रदेश के जनपद मुख्यालयों पर 20-22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 18-19 घंटे बिजली की आपूर्ति

की जा रही है तो फिर इस रोस्टर से बिजली की आपूर्ति जनपद कुशीनगर में क्यों नही की जा रही है? यदि विधुत विभाग सरकार के आदेशानुसार बिजली आपूर्ति देने में सक्षम नही है तो शासन को अवगत करावे कि, इन-इन कारणों के वजह से हमारा विभाग बिजली आपूर्ति सरकार के मंशा के अनुरूप नही कर सकता है? इस अघोषित बिजली कटौती से सरकार की छवि भी घूमिल हो रही है। उक्त बातें भारतीय किसान यूनियन (अ) की जिला इकाई, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया है। आगे जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने सूबे के मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ जी से माँग किये है कि, यदि जनपद में बिजली की आपूर्ति को सरकार के आदेशानुसार नही हुआ तो हमारा यूनियन सड़क पर आने के लिये होगा मजबूर जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

आदर्श फाउंडेशन ने शिक्षकों को किया सम्मानित

प्रखर वाराणसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर आदर्श फाउंडेशन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाले श्री युगल बिहारी इंटर कालेज, रामेश्वर के प्रधानाचार्य रविंद्र बहादुर सिंह, श्री उड़िया बाबा आदर्श इंटर कालेज हरहुआ के रिटायर्ड प्रधानाचार्य रामबली सिंह,शिक्षक बलिराम सिंह और रामअधार यादव को सम्मानित किया गया। आदर्श फाउंडेशन के सचिव सुरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने बताया की ये ऐसे शिक्षक हैं जिनके पढ़ाये गये छात्र आज भारत ही नहीं बल्कि दुनियां भर में अपनी प्रतिभा और योग्यता का परचम लहरा रहे हैं,ऐसे शिक्षक समुदाय का हम हार्दिक अभिनंदन करते हैं। राजनेता, वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, पायलट, शिक्षक, व्यापारी से लेकर एक सफल इंसान को तैयार करने के पीछे इन गुरुजनों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हमें शिक्षक समुदाय के योगदान और त्याग को नहीं भूलना चाहिए 'श्री युगल बिहारी इंटर कालेज, रामेश्वर के प्रधानाचार्य रविंद्र बहादुर सिंह,श्री उड़िया बाबा

आदर्श इंटर कालेज के रिटायर्ड प्रधानाचार्य रामबली सिंह,शिक्षक बलिराम सिंह और राम अधार यादव ने आदर्श फाउंडेशन का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के उज्ज्वलमय भविष्य की कामना की।

बाइक सवार युवकों पर चोरी का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

प्रखर मिजार्पुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के शोभी गांव निवासी एक किसान की तरफ से बाइक सवार युवकों पर चोरी का आरोप लगाया गया है। तीन युवकों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ में जुटी है। बताया गया कि शोभी/परसौना गांव निवासी मेवालाल की जमीन मरचा गांव में है। सिचाई के लिए खेत मे समर सेबल पम्प लगा है। सोमवार की शाम किसान अपने घर खाना खाने चला गया। मौका पाकर बाइक सवार चोर बोर से मोटर पम्प निकालकर बाइक पर बांधकर भागने की फिराक में थे। उसी समय किसान मौके पर पहुँचकर शोर मचाने लगा। पास पड़ोस के लोग दौड़कर पहुँच गये। चोरों को रंगे हाथ सामान समेत पकड़ लिया। पहले तो जमकर पिटाई की गयी। उसके बाद ग्रामीण सूचना देकर पुलिस को बुलाये। पुलिस के पहुँचने पर लोग हंगामा करने लगे।मांग करने लगे कि गांव के आठ दस किसानों के खेत से पम्प स्टार्टर व स्टेबलाइजर चोरी हुआ है पुलिस खुलासा करे।

गलत ढंग से मुआवजा तय करने को लेकर एसडीएम से मिले किसान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। एयरपोर्ट विस्तारीकरण में अधिग्रहण के लिए बने मुआवजा में विसंगति को लेकर बुधवार को किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल एसडीएम पिंडरा से मिला। बाबतपुर एयरपोर्ट विस्तारीकरण के तहत लिए जा रहे भूमि में मनमाने ढंग से मुआवजा राशि बनाने के आरोपों के तहत रजिस्ट्री कागजात भी सौपे। जिसमे पूरा रघुनाथपुर, बसनी, कर्मी आदि गावों के किसान रहे। किसानों ने कहाकि एयरपोर्ट विस्तारीकरण के लिए जो भूमि अधिग्रहित की जा रही है उसका मुआवजा किसी भी सर्किल रेट से नहीं बनाया गया है । विगत दिनों मे जिस सर्किल रेट से उपरोक्त गांवों मे रजिस्ट्री हुई है उसके अनुसार भी मुआवजा नहीं बनाया गया है।किसानों ने कहा कि हम सरकार द्वारा कराए जा रहे किसी भी विकास कार्य का विरोध नहीं कर रहे हैं परंतु अगर उचित मुआवजा नहीं दिया गया तो हम संघर्ष करने के लिए बाध्य होंगे। सरकार हमारी जमीन, मकान , सहन आदि का

पुनर्मूल्यांकन कराए, हमारे सैकड़ों वर्षों के आशियाने को उजाड़ने से पहले हमारे पुनर्वास की उचित व्यवस्था करे। किसानों ने कहा कि संबंधित अधिकारी हमारे साथ तानाशाही से नहीं सहानुभूति पूर्वक बर्ताव करें। इस दौरान एडवोकेट सुबाष चंद दुबे, अनमोल पटेल, सुरेन्द्र मिश्रा, बबलू मिश्रा, नागेंद्र पटेल, रामसूरत, पप्पू, अमित त्रिपाठी, अजय पाठक, भरत पाठक, सच्चिदानंद मिश्रा, मनोज विश्वकर्मा, हिरावन पटेल व मुहम्मद अली, इरफान अली, राजदेव, श्यामदेव, डब्लू राजभर, रमेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

मैं भारत हूं फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित की गई पत्रिका का संजय चोपड़ा ने किया विमोचन

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। 'मैं भारत हूं' फाउंडेशन द्वारा देश से इंडिया नाम हटाकर देश का एक नाम भारत किए जाने के आंदोलन का समर्थन करते हुए उत्तराखण्ड विकास मंच के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के द्वारा कंधारी धर्मशाला स्थित कार्यालय पर 'मैं भारत हूं' भारतीय संस्कृति सामाजिक राजनीतिक ऐतिहासिक भावनाओं से प्रेरित पत्रिका का विमोचन करते हुए उत्तराखंड से 'मैं भारत हूं' मुहिम का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट करते हुए एक देश एक नाम गर्व से कहो मैं भारत हूँ दैश का नाम भारत किए जाने का खुला समर्थन किया। इस अवसर पर उत्तराखंड विकास मंच के प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा अन्य देशों की भांति हमारे देश का नाम केवल भारत ही बोला जाना चाहिए,

इंडिया नाम हमारे देश को अंग्रेजी हुकूमत के दौरान दिया गया था जबकि देश का इतिहास भारत नाम से ही दोहराया जाता है 'मैं भारत हूं' फाउंडेशन मुंबई द्वारा भारतवर्ष में चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करते हुए जन समर्थन के साथ सभी सामाजिक संगठनों को साथ लेकर उत्तराखंड राज्य में भी देश का नाम भारत नाम दोहराया जाने के लिए जन जागरण अभियान मेरे दारा चलाए जाते रहे हैं संजय चोपड़ा ने यह भी कहा उत्तराखंड राज्य कोटद्वार में महर्षि चरक का आश्रम आज भी मौजूद है जहां पर भारत ने जन्म लिया था देश के इतिहास को दोहराते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक देश एक नाम इंडिया शब्द हटाकर भारत किए जाने का खुला समर्थन के साथ इस मोहिम को जन जागरण के माध्यम से जारी रखा जाएगा। 'मैं भारत हूं' पत्रिका का विमोचन कार्यक्रम में सम्मलित हुए सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों में समाजिक कार्यकर्ता संजय बंसल, वरिष्ठ व्यापारी नेता राजेश खुराना, श्रमिक कल्याण परिषद के महामंत्री कुंवर सिंह मंडवाल, हेमंत शर्मा, सोनू गुप्ता, सुंदरलाल राजपूत, हंसराज दुआ, राजेश अरोड़ा, रवि सभरवाल, मनोज कुमार, राजेंद्र पाल, मुकेश कोठियाल, राधेश्याम रतूड़ी, वीरेंद्र रावत, चंदन सिंह बिष्ट, मान सिंह, जय सिंह बिष्ट आदि मुख्य रूप से सम्मलित हुए।

किसानों को अब ई-खसरा मिलेगा, विवादों से मिलेगा छुटकारा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अब एप के माध्यम से ई खसरा तैयार होगा। जिससे जहाँ खसरे के लिए किसानों को लेखपाल के यहाँ चक्कर नही लगाना पड़ेगा , वही सरकार को किस खेत मे क्या इस वर्ष फसल लगाई गई है कि सटीक जानकारी भी मिल सकेगी। इससे किसानों को जमीन के विवादों से भी निजात मिलेगी। पिंडरा तहसील के थाना गांव में बुधवार से शुरू हुए ई खसरा के कार्रवाई की प्रगति की जानकारी लेने बुधवार को दोपहर

बाद एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा भी मौके पर पहुँची और कार्रवाई को देखने के बाद आवश्यक निर्देश दिया। बताते चलें कि जमीनी विवाद को खत्म करने और योजनाओं को सीधे किसानों को पहुचाने के लिए राजस्व विभाग को सरकार द्वारा कंप्यूटरीकृत किया जा रहा है। उसी क्रम में अब इस बार सभी किसानों के खेतों का खसरा एप के माध्यम से बनाया जा रहा है। जिसके तहत कृषि , पंचायत व राजस्व विभाग के समन्वय से उक्त कार्य किये जा रहे हैं। बुधवार को थाना गांव में शुरू हुए ई खसरा लोडिंग कार्य को देखने एसडीएम भी पहुँची। उन्होंने बताया कि यह एक ट्रायल के रूप में शुरू हुआ है और जल्द ही पूरे पिंडरा तहसील के गांव का ई खसरा तैयार होगा। जिससे उन्हें फसल बीमा के साथ अन्य योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। बुधवार को थाना गांव पहुँची टीम के साथ नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, कानूनगो जयप्रकाश, कृषि सहायक कुलदीप कुमार रहे।

संक्षिप्त खबरें

लोहता में सड़क चौड़ीकरण को लेकर वाराणसी भदोही मार्ग पर अतिक्रमण करने वालो के मकान पर चला बुलडोजर

प्रखर वाराणसी। लोहता में सड़क चौड़ीकरण को लेकर वाराणसी भदोई मार्ग पर अतिक्रमण करने वाले मकान पर चला बुलडोजर सुरक्षा की दृष्टि प्रसासन मौके पर मौजूद रहे जिनमे एडीएम सिटी एसडीएम साहब और। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह और थाने के सभी पुलिस कर्मी इस अतिक्रमण अभियान में लगे हुए थे सासन और प्रशासन सभी कर्मी इस अभियान में लगे थे और लोगो को अलाउंस किया गया अपना अपना अतिक्रमण स्वयं हटा ले वरना फिर दुबारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा जिससे लोगो के बीच यह। संदेश गया की अपना अपना अतिक्रमण स्वयं हटा ले यह एक लोगो के बीच संदेश गया की सड़क चौड़ीकरण से आम जनता का ही लाभ है जिससे की देश का ही विकास है।

मतगणना की समस्त तैयारियां पूर्ण, कुल 14 टेबलों पर होगा मतगणना कार्य

प्रखर मऊ। विधानसभा उप निर्वाचन 2023 के तहत जनपद के विधानसभा क्षेत्र घोसी में होने वाले उप निर्वाचन के दृष्टिगत 8 सितंबर को होने वाले मतगणना कार्य की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मतगणना कार्य कुल 14 टेबलों पर होगा, जिसके लिए 19 मतगणना टीमों का चयन किया गया है, जिनमें से एक-एक मतगणना टीम आरओ एवं एआरओ हेतु तथा तीन मतगणना टीम रिजर्व के रूप में रहेंगी। प्रत्येक मतगणना टीम में एक माइक्रो आब्जर्वर, एक पर्यवेक्षक, एक मतगणना सहायक तथा एक चतुर्थ श्रेणी का कार्मिक होगा। इस प्रकार एक मतगणना टीम में कुल चार कार्मिक रहेंगे।

संपन्न हुआ 18 सफर का कदीमी प्रोग्राम

प्रखर जौनपुरी। अन्जुमन हैदरिया मुल्ला टोला जौनपुर के बैनर तले उक्त प्रोग्राम हुआ। इस मौके पर श्याम सिंह यादव ने कहा की यह प्रोग्राम इस्लाम और शांति का संदेश देता है, हम सब को मिलकर हर धर्म से अच्छी बाते ग्रहण करनी चाहिए, मरकजी सीरत कमेटी के सदर शौकत अली मुन्ना राजा का भव्य स्वागत अंजुमने हैदरिया की तरफ से किया गया, इस मौके पर श्री मुन्ना राजा ने कहा की यह त्योहार हम सब का है और शहर की तमाम अंजुमनों, सजावट कमेटी और अखाड़ों को एक साथ मिलकर हम सब के प्यारे नबी सरवरे कायनात का जलसा और जुलूस को कामयाब करना है। इस मौके पर मुख्य रूप से कमेटी के,साजिद अलीम, कमालुद्दीन अंसारी, इरशाद मंसूरी, आफाक मंसूरी, अलमास सिद्दीकी, असीम मछलीशहरी, रियाजुद्दीन अल्वी, शहाबुद्दीन विधार्थी, सरताज सिद्दीकी, रियाजुल हक, इकराम सौदागर, शकील माज राइनी,जफर मसूद, फिरोज कुरेशी, शोबी ताज कादरी, हाजी सैय्यद फरोग, शोएब अहमद समीर, दिलदार, हफिज शाह, नेयाज ताहिर सेखू, नासिर सिद्दीकी, शफीक खान, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

5 गोवंशीय पिकप सहित 2 पशु तस्कर चढ़े भांवरकोल पुलिस के रडार पर, मौके से एक फरार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में मंगलवार को चेकिंग के दौरान उप निरीक्षक रामअजोर यादव मय हमराह द्वारा बसनिया चट्टी से पूरब पुलिया बहद ग्राम बसनिया के पास से एक अदद पिकअप वाहन बिना नम्बर व उस पर लदी हुई 05 राशि गोवंश के साथ 02 नफर अभियुक्त को समय सायं लगभग 7 बजे गिरफ्तार किया गया तथा एक अभियुक्त भागने में कामयाब रहा। अभियुक्तगण की जामा तलाशी से 2410 रुपये नगद व एक अदद मोबाईल फोन बरामद हुआ। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना स्थानीय पर धारा 3/5A/5B/8 गोवध निवारण अधिनियम पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तगण में गोलू यादव पुत्र मुन्ना यादव निवासी इच्छा चौबे का पुरा थाना नरही जनपद बलिया तथा मंजीत यादव पुत्र शेषनाथ यादव निवासी एकबारी थाना सुखपुरा जनपद बलिया रहे। जबकि फरार वांछित अभियुक्त अक्षयवर चौधरी पुत्र अज्ञात निवासी अमृतपाली/सहरास पाली थाना कोतवाली जनपद बलिया की तलाश है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक रामअजोर यादव थाना भाँवरकोल, कांस्टेबल पंकज सिंह थाना भाँवरकोल, कांस्टेबल शिवेन्द्र पाल थाना भाँवरकोल जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं